चुनौती

चुनौती

जगदीश प्रसाद मण्डल



पल्लवी प्रकाशन
बेरमा/निर्मली

CHUNAUTI (चुनौती)
Anthology of Maithili Poems by Shri Jagdish Prasad Mandal

ISBN: 978-93-88811-37-8
दाम: 150/- (भा.रु.)

दोसर संस्करण: 2023 (पहिल संस्करण: 2019)

प्रकाशक: पल्लवी प्रकाशन
तुलसी भवन, जे.एल.नेहरू मार्ग, वार्ड नं.: 06, निर्मली
जिला- सुपौल, बिहार: 847452
मुद्रक: पल्लवी प्रकाशन (मानव आर्ट)

वेबसाइट: http://pallavipublication.blogspot.com
ई-मेल: pallavi.publication.nirmali@gmail.com
मोबाइल: 6200635563; 9931654742

फोण्ट सोर्स: https://fonts.google.com/,
https://github.com/virtualvinodh/aksharamukha-fonts
आवरण चित्र: श्रीमती पुनम मण्डल, निर्मली (सुपौल), बिहार: 847452
अक्षर संयोजन: डॉ. उमेश मण्डल

काव्यक्रम

चुनौती

सभ दिनसँ होइते एलैए
सभ दिन होइतो रहतै।
सभदिना जिनगी जीबैले
अपन चुनौती दइते रहतै।
अपन चुनौती...।

सभ जुग जोग जोगिया
स्थिति-परिस्थिति गढ़िते रहतै।
सम-विषम, विषम-सम बीच
अनुकूल-प्रतिकूल बनेबैत रहतै।
अनुकूल-प्रतिकूल...।

अनुकूल-प्रतिकूल बनैक पाछू
उठि जिनगी जीवन देखै छै।
जीवन जीव जीन बनैले
संघर्ष जिनगी करए पड़ै छै।
संघर्ष जिनगी...।

सभदिने अनुकूल-प्रतिकूल
रस्सा-कस्सी करैत एलैए।

रस्से-कस्सीटा किए
रग्गड़-घसो करैत एलैए।
रग्गड़-घसो...।

कहियो दिवा निशा दाबि-दाबि
तँ कहियो छाती फारि निशा कहैए।
भलेँ जाठि जठिया जेठ
तँए कि निशाकर पाछू हटैए।
तँए कि निशाकर...।

राति-दिन एकबट्ट बटिया
दिन-राति नाओं धड़ैत रहैए।
कहियो विषुवत रेख मध्य
तँ कहियो मकर कहबैत रहैए।
तँ कहियो मकर...।

रीत-परिवर्तन होइत-होइत
कर्क सेहो पाशा बदलैए।
माघक हाड़ जाड़केँ
दण्ड काल हँसि हँसि कहैए
दण्ड काल हँसि हँसि...।


मानव गुण

जाधैर गुण नै अबैत मनुजमे
ताधैर मनुज मनु रहैए।
ऐबते गुण, फल-फूल जहिना
नाओं अपन धड़बए लगैए।

जाधैर फूल महक नै पाबे
कोढ़ी-वाती कहबैत रहैए।
तहिना ने मानवोक बीच मानव
मानव मनुख कहबैत रहैए।

गुण अनेक बीच आठ
पौरुष गुण कहबैत रहैए।
पबिते पेब गुणवान बनि
पुरुष महापुरुष कहबए लगैए।

जहिना-जहिना गुण बढ़ै छै
तहिना पुरुखपन सेहो कहै छै।
ऐबते पौरुष तन मनुजमे
महापौरुष सिर चढ़ि सुनैए।

तीन गुण आदिए सँ आबि
सत्-रज-तम कहबैत एलैए।

तामस-प्रीति मनुखेटामे नहि
पशु-पक्षी सेहो पकड़ैत एलैए।

जहिना-जहिना पशु-पक्षी बीच
गुण तीनू गुणगान करैए।
एक-दोसरसँ हटि-सटि
कामी-लोभीक रूप धड़ैए।

बिना किछु कहनौं-सुननौं
बीख बमन सदैत करैए।
गहुमन चालि बुझि देखि
मनुष्यत्व डरए लगैए।

मुदा टोननिहार मनुखो होइ छै
उपाय तेकर सोचए लगैए।
मंत्र-जौड़ पकैड़-पकैड़
चित्ती-कौड़ी भाँजए लगैए।

भजिते चित्ती-कौड़ी धरती
गरुड़ चालि पकड़ए लगैए।
चारू दिशा नजैर दौगा
अकास बीच उड़ए लगैए।

उड़िते अकास उकैस-अकैस
बिल-धोधैड़ वृक्ष देखैए।

एक दिस अकास दोसर पताल
जागल वृक्ष सुतल धरती रहैए।

जहिना बरही काठ खोदि
उखैर ढोलक कठरा बनबैए।
तहिना ने कठखोधियो खोदि
हीर काटि धोधड़ि बनबैए।

रक्षित सुरक्षित भवन बीच
चैनक जिनगी बास करैए।
निच्चाँ धरतीक बोहैर देखि-देखि
सुख-सेजि विश्राम करैए।

ने डर पानि ओ पाथर
हवो ने किछु कए सकैए।
धरती सहजहि पड़ल-सुतल
भयए किए भऽ सकैए।

मुसक खुनल बील पकैड़
नाग-नागिन कहबए लगैए।
नागे तँ धरती टेकने छै
अखण्ड राज भोगए लगैए।

जेकरे बनौल घर बसै छै
तेकरे पकैड़ भोजन करै छै।

सुख-पतालक पाबि-पाबि
अकास-पताल लोक गढ़ै छै।

भोगी जोगी बनि-बनि
मंत्र सूत्र गढ़ए लगैए।
सुर्जो-चानक गति-मतिकेँ
रगैड़-रगैड़ मेटबए लगैए।

कहियो बादर वाद पकैड़
मेघौन रूप धड़ए लगैए।
बीच पड़ल देव-दानव
बेवस भऽ देखए लगैए।
बेवस भऽ देखए...।



छुटि गेल

पाछू घुरि जखन तकै छी
मरुभूमि भेल गाम देखै छी।
गंगोट मानि सिर सजि
चानन करैत अबैत रहै छी।

बालुक बुर्जा बनल बाध
देखि-देखि कुहरैत रहै छी।
जइ पानिक बीच बसल छी
तेही बेतरे मरि रहल छी।

तरो पानि तरहत्थियो पानि
वायुओ पानि वसातो पानि।
उड़ल अकास दौड़तो पानि
तइ पानि-ले काहि कटै छी।

केतौ चुटकियो नोन नै
केतौ-केतौ सागर बनल छै।
केतौ माटि जरि पाथर बनैत
तँ केतौ प्रशान्त सागर पड़ल छै।

दुनियाँक दोखाह वसात
दुरि केने छै दुनियाँकेँ

बिनु कल-कारखानाक मिथिला
बुधि सिखबै छै दुनियाँकेँ।

पछुआ पाठ पढ़ौने सभकेँ
दूषित भेल दोख हावासँ।
हवे ने भगवानो छैथ
मंत्र जपै छी ऐबासँ।

देश-दुनियाँ कारखाना चलैत
जा चलबै छी आशासँ
अपन चास-बास बिसैर
मंत्र जपै बिसवासासँ।

अपन सभ किछु उपटा-बिलटा
मिथिलाक जय-जयकार करै छी।
भाषा साहित्यक कथे की
नमगर-चौड़गर भागवत बचै छी।
पकड़ै मुसबा खाए युनूसबा
दिन-रातिक लीला चलैए।

जननिहार सभ किछु जनितो
सबलहीन सभ किछु देखैए।

मुदा तैयो पेट पकैड़ पेटकान देने
सभक-सभ मुँह देखैए।
लीनू-लीनू कि दिनू-दिनू
मने-मन विचार करैए। ❑

मरल घाट

बहुरंगी विश्व बजार बीच
रंग-बिरंगक घाट बनल छै।
घाटे-घाट घटबाह बैस
बैतरनी पार करैत रहै छै।
बुझल गमल जेकरा छै घाट
हेलि-डुमि अपने पार उबड़ैए
जेकरा नै छै बुझल-गमल
गुड़गुड़-गुड़गुड़ गुड़गुड़ा मरैए।
बुझलो रहते केना सभकेँ
घाटो कि गानल-मानल छै
फूल भालसरि माला जकाँ
गाथल-गूथल सगर पड़ल छै।

जहिना रंग-बिरंग पोखैरमे
रंग-बिरंगक घाट बनै छै।
संगमरमर सहित चानन लकड़ी
खाढ़ी बनौल धोबिघाट बनै छै।
पुरुष-घाट नारी-घाट संग
शौच-घाट सेहो बनल छै।
गंगघाट संग सहित-हित
मुर्दघाट सेहो बनल छै

झील-सरोबर सेहो सजौने
नाओं अपन धरौने छै।
अपन नाह अपने खेबि
अपन घाट अपने टपै छै।
जहिना झील-सरोवर घाट
तहिना सागरो गर लगौने
जुआरि उठा लपैक लहैर
धारा धार सदैत बनौने।

जहिना सबहक चित्र-विचित्र
तहिना चित्र-कूट सेहो बनल छै।
जोगी-जती-तपी-संयासी
कूट-घाट स्नान करै छै।
घाट चित्र विचित्र बनल
पीच्छड़-छीछलाह सेहो सजल छै।
छिछैल-छिछैल पिछैड़-पिछैड़
ओंघरनियाँ दऽ दऽ खसै छै।

खसि-खसि पाछू कियो ढुलकए
कियो आगू छिछलए लगै छै।
जमघट लगल सजल घाट
एक्के-दुइए पार करै छै।
जहिना फोटो फोटोग्राफर बना
नेंगराकेँ दौगबए लगै छै

तहिना ने दौगनिहारोकेँ
घीचि पएर पाछू खसबै छै।

चित्र-कूट घाट विचित्र छै
कूट चित्र पहाड़ बनल छै।
उतैर रूप कागत पहाड़
तहे-तह पोथी बनल छै।
तीन घाट किनछैर बनल
जीव-अधजीव मृत कहबै छै।
तहिना तीन बनल छै जिनगी
ईर-वीर-तीर घाट कहबै छै।

तीनू घाट नहेनिहार जे
पोखैर प्रवेश करैत रहै छै
शीतल-शान्त, स्वच्छ जल मध्य
सबदिना स्नान करै छै।
नै जीवित नै मृत घाट ओ
अधमरू भेल पड़ल रहै छै।
सु-लोक लोक कहि-कहि कु-लोक
भैंसा-भैंसी नहान करै छै।

मुदा, शौचघाट अखनो जीबै छै।
दिन-प्रतिदिन लीला करै छै

एक घाट रहितो अनेक
अशुद्ध-शुद्ध बनैत रहै छै।
करवनो अशुद्ध शुद्ध बनि
शुद्ध-अशुद्ध बनैत कहै छै।
गोरा गर पकैड़ अशुद्ध
ताल-मेल बैसबैत रहै छै।

जहिना तीनू ताल चलै छै
तहिना तीनू मेल धड़ै छै।
ताल मेल बुझब कठिन
तीनू रंग बदलैत चलै छै।
जहिना काग-दोष खेल अंडीक
पल्ला-जोड़ा रूप धड़ै छै।
तहिना लघु-गुरु खेल पसारि
हँसि-हँसि व्याकरण बजै छै।

घोबिघाट जहिना बनल छै
शौचोघाट तहिना तनल छै
जगह बदैल स्नान घाट
दोसर भाग महार पकड़ै छै।
सभ महार सभ घाट बनि
पोखैरियेक घाट कहबै छै।
माटि-पानि मिलितो-जुलितो
फुट-फुट घाट कहबै छै।

जखने नल-कल-टंकी बनैए
घाट स्नान सहरए लगै छै।
हहैर-हहैर हिहिया-हिहिया
हारि-हारि हरिहर बनै छै।
भेँट नै जेकरा नल-कलसँ
पोखरिक घाट पकड़ने छै।
शुद्ध-अशुद्ध विचार बिनु केने
गर पाबि पकड़ने छै।

जहिना आसिन मास छोपि
खेतक धान किसान अनै छै।
क्षीण-मस्तिका सदृश चास
झाँट-पानि बरदास करै छै।
बिनु छप्परक घर बीच जहिना
बाल-बच्चा संग जीबै छै।
छल-प्रपञ्च भेद नै बुझि
आस भगवान लगबैत रहै छै।

रस भरल रहस्यमय भगवन
सदिखन नाच करैत रहै छै।
जे जानए तेकरे देखि-देखि
फूल-अच्छत बँटैत रहै छै।
फूल अच्छत चिन्हए जे जानए

सहए सभ राति-दिन पबै छै।
चिन्ह बिना औषध भारी
हारि-थाकि कहैत रहै छै।

हारियो-जीतक चालि विचित्र
चीत-पट संग उनटै-पुनटै छै
कनी एम्हर आ कि ओम्हर
हारि-जीत कहाँ कहबै छै।
ससैर-ससैर ससरए कियो पाछू
दनदनाइत कियो आगू बढ़ै छै।
रेखा विषुवत बनल घड़ी
बाम-दहिन कहबए लगै छै।

दुनू भाग बाट बनल दोहरी
दूरे-दूरे देखैत रहै छै।
सभ किछु मिलल-जुलल रहितो
ऋृतु परिवर्त्तन कहए लगै छै।
ऋृतु परिवर्त्तनक रूप विचित्र
चान-सुर्ज गहिया धड़ै छै
गहे-गह ससैर-ससैर
रीति-कुरीति बनबए लगै छै।

बनि-बनि कुरीति-नीति
धारण-धर्म कहबए लगै छै।
देश-बेश बना बनि-बनि

परिवेश पैदा करए लगै छै।
मौसम गति मौनसुनी
जीवन ठौर धड़बए लगै छै।
कम-सम नहि, भेल बहुत
रहि-रहि इतिहास कहै छै।

वाणी-बोली रूप बदैल
राति-दिन ललकार भरै छै।
गामे-गाम धार-पोखैर बनि
रंग-बिरंगक फूल खिलै छै।
धरती पानिक मध्य बीच
थाल-कीच सेहो बनल छै।
घाटक थाल ससैर-ससैर
बगल पानि सेहो पसरल छै।

चिक्कन पानि चमकए जहिना
धरतियो तहिना चमकै छै।
ऊपर-निच्चाँ खाढ़ी पकैड़
दूनू-दुनू दिस देखै छै।
नजैर पकैड़ मिला नजैर
मणिक मन सिरजए लगै छै।
गोपी संग केरि करए कृष्ण जेना
तहिना जल-धरतियो करै छै।
सीता-राधा रचि जल

राम-कृष्ण पकड़ए लगै छै।
हृदय खोलि तान भरि-भरि
धुन बासुरी बसुदेव कहै छै।
❑

हल्लुक काज

काजक हल्लुक लूरि पाबि
फल आनन्द जीवन पबै छै।
कलाकृत्ति पाबि कलाकार
आत्म तुष्टि गढ़ए लगै छै।
काज-धार बीच नाह जिनगीक
दिन-राति अनवरैत चलै छै।
पबिते पहर रूप बदैल
कर्म-काज कहबए लगै छै।
रूप बदैल काज जहिना
कर्म सरूप बनै लगै छै।
तहिना कर्मो ससैर-पसैर
धाम कर्म पहुँचै लगै छै।
धर्म-धाम पहुँचते पहुँच
चन्द्रकूप स्नान करै छै।
करिते स्नान पाबि पवित्र मनु
चलि पर्पण श्रृंगार करै छै।
जइ मन भावे तइ भावसँ
भावनाक संसार गढ़ै छै।
आसन मारि सिंहासन चढ़ि
शंखनाद पूजा करै छै।

जएह सूत्र जीवन सिरजए
सूत्र सएह कर्मो सिरजै छै।
सुर्जक सूत्र मिलि बैस
कर्म-सूत्र कहबए लगै छै।
कर्म-धर्म जहिना बनए
कामो-धाम तहिना कहबै छै।
सृष्टिक गुप्त रहस्य देखि
समर्पण जीवन करै छै।

जिनगीक बोझ पहाड़ बनल छै
धरतीसँ अकास सटल छै।
पथरा-पथरा रूप अपन गढ़ि
धरतीक कहाँ भार बनल छै।
अपन गर रोपि-रोपि अपने
पएर तपल पसारने छै।
रसे-रसे रिसैत-पिसैत
श्रृंग अकास पकड़ने छै।
रंग-रंगक रूप गढ़ि-मढ़ि
नाओं पहाड़ धरौने छै।
समुद्र बीच जहिना जलचर
तहिना थलचर जीवन पबै छै।
धरती-अकास, अकास-धरती बीच
चोटी शिखर बनल छै।
पथक संग पथिक सटि
दोहरी दिशा पकड़ने छै।

शिखा चढ़ि सिर कियो पूजैए
कियो भँसि भट्ठा भँसिआइ छै।
निहारि-निहारि शिखैर पहाड़
मने-मन मौला कहै छै।
कर्मोक तँ चित्र विचित्र
हल्लुक-भारी चालि चलैए
एक सिर धर्म कहबए जँ
दोसर धरा धाम कहबैए।
काम-धाम आ धर्म-कर्म
प्रेयसी बनि श्रृंगार करैए
जहिना बहीर अपने फुरने
जीवन रंगमंच नचैए।

हल्लुक माटि बिलाइ जेना खुनए
जिनगियो तहिना खुनए लगै छै।
खुनि-खुनि ससैर-ससैर
उनटा चालि धड़ए लगै छै।
आगू-पाछू धार बीच जहिना
सिरा संग भट्ठा कहबै छै।
धार जिनगियोक तहिना
भूत-भविस बहैत रहै छै।
सुचि पकैड़ कान जहिना
हल्लुक बनि-बनि गढ़ए लगै छै।
तहिना हल्लुक रूप बदैल

अलि अली अलिसा कहै छै।
अलिसाएल-मलिसाएल काज सिरैज
निच्चाँ जिनगी ढुलकए लगै छै।
आगू-पाछूक दिशा बिसैर
धरती-पैरक देखए लगै छै।
दिने-राति जकाँ जिनगियो
सु-समय-कु-समय अबैत रहै छै।
नीक-अधला सूत्र बीच
लटैक-फटैक चलैत रहै छै।
मन-कर्म-वचन कहबी बनि
कल्पना उदाहरण बनल छै।
कल्पना कल्प रूप जहिना
तेहने रूप सजल छै।
भारी-हल्लुक काज बीच
सुतल-जागल जिनगी पड़ल छै
जीवन बुझि कियो जिनगी
कियो घनघोड़ घेराएल छै।


बीघा भरि चास-बास

चतुर्थपन पकैड़ देखि
छिड़ियाएल मन समटाए लगल।
चतड़ल गाछक डारि-पात सुखि
सिर-धर-मुसरा बँचल रहल।
दुनियाँदारीक ताम-झाम छोड़ि
अपन समरपित हुअ लगलौं।
साठि सालक गुजरल जिनगीक
बैस हिसाब बैसबए लगलौं।

पिताक देल पाँच बीघा छल
बीघा एक बचेने रहलौं।
भूल भेल कि चूक भेल
अपने-आप बिचाड़ए लगलौं।
गर-कुगर देखि-देखि
तरे-तर मन मसकए लगल।
गर-सुगर ऐबते देखि
मसकल मन मुसकए लगल।

सभ दिन देव दहिने रहला
दूसँ दस परिवार बनल।

तखन किए पीपनी फड़कैए
ज्योति आँखि चमकए लगल।
बेटाक आस-बाट देखि
सात सखी आबि धमकल।
नि:सन्तान जँ छी अपराध
दबकल मन उठि बमकल।
पत्नियोकेँ धन्यवाद दिऐन
कहियो नै हिआ हारलैन।
आठ सन्तानक माए बनि
संगिनी बनि संगो पुड़लैन।
शाखा-प्रशाखा देखि जहिना
समपन्न जिनगी वृक्ष पबैए।
तहिना ने मनुखोक
शखा-सखी वंश बढ़बैए।
केना कऽ कहबै हारि गेलौं
अकारथ जिनगी बनेलौं
मुदा जीतबो केना केलौं
मने-मन विचारए लगलौं
अजीव पाश पाशा चलल
क्षय सम्पैत परिवार बढ़ल।
दूसँ दस बनि-बनि
पाँच बर धन-बुधि बढ़ल।

पाँचम कन्या अबैत-अबैत
पहिल कन्यादान केलौं

आइली-बाइली आमद नै
दस कट्ठा जमीन बेचलौं।
जएह सभ कर्म-धर्म लिखैए
सएह दुरदिन पैदा करैए।
सुदिनक दोहाइ दए-दए
खलखला गरदैन कटैए।

समय संग अपने ससड़लौं
सातो बहिन सासुर पठेलौं।
चारि बीघा भूमिदान दऽ
सातो कन्यादान केलौं।
जहिना आठम सन्तान कृष्ण
तहिना आठम बेटा भेल।
पाँच बीघाबला बापकेँ
बीघा भरिक बेटा भेल।

लोकक मोल भलहिं घटए
खेतक मोल बढ़ल अछि।
लूरि-बुधि संगे मिलि दुनू
जिनगी रथ चढ़ल अछि।
रथी बनि रथ दौगा
जिनगीक पथ चढ़ल अछि।
देखा-देखी अहिना जिनगी
सभ दिन सभ बढ़ल अछि।


पट्टा छीमी

लाले-लाल खेतक रंग देखि
माइक मन सिहैक उठलैन।
बाधक बाट बगला कटिया
खेत केराउक घीचि अनलकैन।

रंग-रंगल चास देखि
चासनी चित्त चहैक उठलैन
खेतक रंग-रूप देखि
खिलल मन खिलखिला उठलैन।
लह-लह लहलहाइत लत्ती
सन-सन करैत अकास देखैत
रेगहा सिरखार सजि-सजि
रंग-बिरंग फूल देखबैत।

बाला जहिना वय:संधि टपि
बाला कन्याँ कहबए लगैत
तहिना लत्ती केराउक
रूप अपन सेज सजि सजैत
सजि-सजि श्रृंगार श्रृंग
चढ़ि-चढ़ि श्रृंग छुबैत

दुख कहाँ होइ छै करवनो
मनमे पीड़ा मिसियो भरि।
फुलपत्ती उड़िया-उड़िया
उड़िया-उधिया अकास धरि।
गन्ध पसारि-पसारि अकास
अनको आकर्षित करै छै।
आड़ि मेड़ टपैत चासनी
चास केराउक निहार अबै छै।
रंग-सुरंग सजल लत्ती
रंग जिनगीक देखए लगै छै।
हरिअर-हरिअर डारि पात
मुँह मोती चमकै छै।

उज्जर-लाल फुलाएल फूल
निच्चाँ छीमी बनैत चलै छै।
पौती जहिना रूप गढ़ै छै
छीम्मी-दाना बनैत रहै छै।
रस-फूल ससैर ससैर
रूप दाना गढ़ए लगै छै।
छिलुका दाना सहेज-सहेज
छीमी नाओं धड़बए लगै छै।
पाकल जुआएल चर्च बिनु केने
पट्टा छीमी कहबए लगै छै
पट्टा छीमी खट्टो होइ छै

मीठो तँ हेबे करै छै।
जहिना समरस बनि फूल-फल
रूप समदर्शी धड़ए लगै छै।
छोलका-दानाक अगाध सिनेह
संग मिलि दुनू भक्ष बनै छै
अपन-अपन बेवहार बिसैर
मिलि संग जीवन दान करै छै।
दान-दानी मन-कर्म बीच
सारथ जिनगी जीत पबै छै।


बदरीहन

बदरीहन समय बीच जहिना
अमवसिया राति अबैत रहै छै।
कलि-कलिमल वसन ओढ़ि
कालिंदी कूल सजैत रहै छै।

पक्ष इजोत अबैसँ पहिने
अन्हार पक्ष छेकने रहै छै।
अन्ह-अन्हरा अन्हार बीच
बाट इजोत हेराएल रहै छै।

चौबीसो घण्टा दौड़-धूप
राति-दिन, दिन-राति खेलैत रहै छै
चढ़ि-उतैर समय संग-संग
अपन गतिये खेल खेलै छै।

बराबरीक भाग लगा-लगा
सालक बीच हिसाब जोड़ै छै।
बाट-घाट आगूओ-पाछू
पहुँच लक्ष्य निसांस छोड़ै छै।

समय-साल देखियो सुनि
मास नै पूरा पबै छै।

हारि-जीत मध्य जिनगी तहिना
मानि माइन पबैत रहै छै।

जहिना दिनेक राति बनि-बनि
राति-दिन कहबए लगै छै।
दिने-राति, रातिये दिन
मिलि-जुलि सिरजए लगै छै।

अन्त पहाड़ श्रृंग ठेकि अकास
सिंगार रूप सजबए लगै छै।
ऊपर धरती सजल-धजल
गड़ूगर पएर ससरए लगै छै।

ससैर-ससैर, हटि-हटि
रसे-रसे कात हटै छै।
सिर बिनु धड़, धड़ बिनु शीश
चिन्ह-पहचिन्ह बिसरए लगै छै।

मौसम पाबि मसूम जहिना
ॠृतु परिवर्तन करैत रहै छै।
जिनगी मनुखोक तहिना
बेवस्था बीच बदलए लगै छै।

कहियो रौद रोमकेँ डाहै
तँ कहियो पानि-पाथर बरिसाबै।

ओस-पाल बनि-बनि कहियो
हृदय बीच छाती दलकाबै।

मध्य धार बीच जहिना
मुँह-धार कहबै छै।
तहिना बेवस्था बीच समाज
मुँह-धार बनबै छै।

जेहेन मुँह-धार समाजक
तेहने धार पकैड़-चलै छै।
दुख-बेथाक बोन-झाड़मे
खल-खल करैत चलै छै।

खल-खलसँ खलखाइत जहिना
तहिना खिल-खिल सेहो चलै छै।
खल-खल खिलखिल बीच
समुद्र पहाड़ बनैत चलै छै।


बालि वध

बोधि गाछ ताड़क जे सातो
गेरूलाकार लगल छै।
सातो बेधि जे वाण निकैल
आदि-बालिक वध करै छै।
पीठ नाग सजल सातो
ताड़ गाछ कहबैत एलैए।
सातो घोड़ा सजि-बनि रथ
सारथी बनि देखबैत एलैए।
नाग-नाक ऊपर पएर जखने
कसि-कसि भार दबै छै।
छटपटा सोझ होइत-होइत
वृत्त-आवृत्त बनए लगै छै।
होइत सीध नजैर हिया
लक्ष्य बनि देखए लगै छै।
कोणा-कोणी कोण-वाण
समधानि छाती बेधए लगै छै।
बगैल वृक्ष राम जहिना
हिया-हिया आगू देखलैन
सटा छाती तानि धनु-वाण
छाती बालिक कसि बिंधलैन।

त्रेते नै जुग-जुगान्तरसँ
बेश बालि पनपैत एलैए।
शर्त्त राक्षस देव पकैड़-पकैड़
संकल्प सात गढ़ैत एलैए।
शासन-शासित पक्ष दू बीच
झगड़ा-मिलान दुनू चलै छै।
नीक-अधलाक विचार करैत
संगी-दोस बनैत चलै छै।



अनेरुआ वन

जुग-जुगसँ जनमैत एलै
जंगल वन लगैत गेलै।
गुण-अवगुण बिनु बिलगौने
संग-संग सहेजैत गेलै।

जे जेना-जेना जगैत उठल
से तेना-तेना जगजिआ लगल
जे जेना-जेना पछुआए उठल
से तेना-तेना पछुआए लगल।
मुदा नहि, आरो किछु भेल?
आगुओ उगल पछुआए लगल
पाछुओ उगल अगुआए लगल।
ने सबहक कद-काठी समान
ने सुर्जक दिन-रातिक मान।
मान-समान समतल बिनु
किछु दबि किछु फुफुआ लगल।
कान्ह मिला देखि-सुनि
तरैस-तरैस झुझुआ लगल।

तहिना मनुक्खोक बीच वन
रंग-बिरंग चतरल चलैए।

दुभि-लत्ती ऊपर पेड़ पसैरतो
तैयो लत्ती गछाइर चलैए।



फँसरी

फँसा फँसरी लटैक धरैन
पीड़ाएल मन तमसाइत केलौं।
रस जिनगीक बुझि नै पाबि
करनी अपने मरनी बनलौं।
ओझरी तनि-तनि दाबि गर-गड़
ऐंठि-ऐंठि केलक मन मरदैन।
होइत मरद करजनि देखि-देखि
लुत्तिया-लुत्तिया केलक गरजैन।
जिनगीक दोहरी बाट बनल छै
बड़की-छोटकी नाओं कहै छै।
बड़कीपर बड़की चलै छै
छिटकी लगि लगि सेहो खसै छै।
उठि भोर धार धड़ि दुनू
संगे-संग चलबो करै छै।
मारि-आँखि बड़की छोटकीकेँ
गर-फाँस लगबैत रहै छै।
गरदैन पकैड़ पछाड़ि पानि
हरदा-हरदी बजबए लगै छै।
हारल-मारल आकि मारल हारल
फाँस गर लगबैत रहै छै।

फँसरीसँ नीक फाँसी होइ छै
कऽ धऽ किछु चढ़ैत रहै छै।
पूब-उत्तर देखि निहारि
हँसि-कानि गाबैत रहै छै।
हंस हँसि गाबैत रहै छै।


विचलित मन

पार्टनर, मुँहगर केना नै बनबै?
 छअ-पाँच दिन राति करै छी
भंग अंग मुखतियारि करै छी
घोरि-घारि हिहियाइत चलै छी
तखन केना नइ हेबइ।
पार्टनर, मुँहगर केना नै बनबै।

कठरा लकड़ी तबला बनै छै
ढोलक-ढोल सेहो बनै छै।
सुरस-कुरस पकैड़-पकैड़
कारीगर मुँह सेहो बनबै छै।
अहाँ छोड़ि केकरा कहबै
पार्टनर, मुँहगर केना नै बनबै।

कियो मुँहक झालि सदि बजाबे
तँ कियो सूर मुँह भरै छै।
अलापि तान कियो कहै छै
जय-जयकार कियो सेहो करै छै।
तैबीच केना कऽ चलबै
पार्टनर, मुँहगर केना नै बनबै।

मुँहक तान मान मपै छै
पलड़ा जोड़ लगबैत रहै छै।
मूंग्गा, जअ बाट बना-बना
तीन लोक भूभाग तौलै छै।
तैबीच केना कऽ बँचबै
पार्टनर, आबो कहू कि करबै
पार्टनर, आबो...।

दुनियाँक रंगमंच सजल छै
राशि-राशिक दृष्टि बनल छै।
मेला हाट-बजार बीच
कारी मुँह केना सजबै छै।
देखि केना कऽ हँसबै
पार्टनर! मुँहगर केना नै बनबै।


गुड़ घाव

उपैक-उपैक घाव गुड़
तन-तन, फण-फण करए लगैए।
सगर शरीरक आसन बनि
थैर अपन बन्हए लगैए।
समय संग बढ़ि-बढ़ि
गुड़ घाव कहबए लगैए।
पसैर-पसैर फोँसरी पसैर
सुख-दुख पीड़ रचए लगैए।
दीन-दिन ससैर-ससैर
पेड़-फेंड़ बनबए लगैए।
जड़ि एक रहितो रहैत
फेंड़ जोड़ लगबए लगैए।
संगे मोजैर, फुला संगे
संग-संग फलो रचैए।
संगे-संगे संग चलि
आशा फल देखबए लगैए।
आश बास देखि-देखि
तिरपित मन सिहकै लगैए।
रक्त–भक्त बनि पीब
पकि पीज निकलए लगैए।

छेदि देह पकैड़ मासु
खील बनि खिल-खिलए लगैए।
पबिते खील खिल-खिला
राति-दिन टहकए लगैए।
टहैक-टहैक घुसैक-घसैक
मासु हार पकड़ए लगैए।
पीड़ा हारक हू-हू-हूहूआ
गरैज-तरैंग निकलए लगैए।
हारक पीड़ मासु-पीज संग
दरदराएल मन टहकए लगैए।
चिन्ह-पहचिन्ह हेराएल देखि
हारल-हराएल बेड़बए लगैए।
हारलक हेराएल दुनियाँमे
जीत जीन कहबए लगैए।
जीत जीन...।



एकटा बताह

जे जनकक सन्तान कहियो
कृषि वृत्ति किसान छला।
कुशल कृषक कहि-कहि
दिन-राति गमकइ छला।
भुमकम बाढ़ि रौदीक भार सहि
जीवन-यापन करै छला।
वेद-बखान नित-प्रतिदिन
साँझ-भोर रटै छला।

गति समय केर बीच-बीच
दोरस हवा उपकए लगल।
नव-पुरानक बीचोबीच
रंग-रूप बदलए लगल।
रंग-रूप बीच रंग भेद
पनैप-पनैप पनपए लगल।
सोहैर-सोहैर उठि-उठि
धन-गर्जन करए लगल।

साहोर-साहोर मंत्र जपि
डंका-ठनका बचए लगल।

मानक मान समान लिअए
झड़ैक-झड़ैक झड़कए लगल।
कुहैर-कुहैर कलैप-कलैप
छाउर-आगि खसए लगल।
जेना-जेना आगि मड़ियाएल
शक्ति श्रम घटए लगल।

घटबी पुरबै पाछू बेहाल
रीन-पेंइच फँसए लगल।
रीनियाक रीन कुरीन बनि-बनि
तरे-तरे घुसकए लगल।
पहुँचीसँ बाँहि पकैड़
धोबिया खेल खेलए लगल।
दसक दाह सम्हारि पाबि नै
मन-मनतर मथए लगल।
जे कहियो मिथि कहाबए
क्षीण शक्ति कहबए लगल।
सएह मिथि मालिन मिथिला
रूप अपन बनबए लगल।
रूप अपन बनबए...।



हुसि गेल

हुसि गेल सभ खेल खेलौना
हुसि गेल सभ मन-विचार।
जीवन संग जिनगी पिछैड़
ससैर गेल इजोत-अन्हार।
अन्हारे उपैक अनचिन्ह
अन्हार केना अधला लगलै।
इजोत-अन्हार भेद बिनु बुझने
राति-दिन भजए लगलै।

जेकरे दिन तेकरे राति
रातियेक दिन कहबए लगलै।
दहिना-वामा रंग-सियाही
नव-नव शब्द गढ़ए लगलै।
रंग सियाही सियाह बनि
हरिअर-लाल कहबए लगलै।
कोरा कागत ऊपर ससैर
हारि-जीत लिखए लगलै।

ऊपर उठा उठा ऊपर
खेल धोबिया खेलए लगलै।

घुमा-घुमा, नचा-नचा
घाट धार पटकए लगलै।
मड़ू-अधमड़ू बना-बना
घुमा-घुमा फेकए लगलै।
गाड़ीक अगुआ पछुआ पकैड़
जुआ जोति खिंचए लगलै।

रंग-बिरंग जुआ बनि-बनि
खेल-खेलौना कहबए लगलै।
हुसि गेल सभ खेल खेलौना
हारि-हारि मन तड़पए लगलै।
हारि-हार गरदेन लटैक
हूस-हास रटए लगल।
हूसि गेल सभ खेल खेलौन
विचार मन कहए लगल।
विचार मन...।


अरवड़ा जिनगी

अरवड़ा जिनगी सरवड़ा बनि-बनि
शुद्ध-अशुद्धक भेद विलीन भेल।
शक्ति चढ़ल जहिना शीशा
विचार ज्योति बदलैत चलि गेल।
आशा-आश लगौने मनमे
फल-कुफल देखैत चल गेल।
नै बुझि समैझ नै पेलौं
बाटे-घाट बदलैत चलि गेल।
अरवड़ा जिनगी सरवड़ा बनि-बनि
शुद्ध-अशुद्धक भेद विलीन भेल।

जल भरल लोटा अछींजल
शक्ति क्षीण होइत केना गेल।
शक्ति क्षीण होइत हबाइत
अवगुण-गुण बदैल केना गेल।
मानि मान ससैर ससैर
खाली-खाली बनि केना गेल।
अरवड़ा जिनगी सरवड़ा बनि-बनि
शुद्ध-अशुद्ध बीच बदैल केना गेल

मानने देव, नहि तँ पाथर
जुग-जुगसँ सुनैत एलौं।

पाथर बीच देव विराजए
हवा-पानि पीबैत एलौं
उड़ि धरती-अकास बीच
उड़ि-उड़ि उड़ियाइत गेलौं
पूर्बा-पछबा सम्हारि पाबि नै
चिन्ह-पहचिन्ह बिसरैत गेलौं।
अखड़ा जिनगी सखड़ा रहितो
आश-निराश खखराइत पेलौं।
आश-निराश...।



बिटगरहा

टुकड़ा-टुकड़ी बनि अंक जहिना
भूमि भाव संग चलए लगै छै।
अकास-पताल बीच अन्तर रहितो
हिलमिल-झिलमिल करए लगै छै।
जुड़ि-जुड़ि अक्षर शब्द सधै छै
अंक कुदि गुन-भाग करै छै।
चालि-ढालि दुनूक दू रहितो
प्रेमक प्रेमी रूप धड़ै छै।

चालि शिकारी घोड़ा जहिना
कुदि-फानि रस्ता बनबै छै
इकाइयो दहाइ चलि तहिना
गरहैन बिट गरहैन रचै छै।
पुरजा-उरजा बनि-बनि अंक
पौआ-अधपइ कनमा-कनइ छै।
अणु-परमाणुक जुग जे बनौ
अंके-अंक भकराड़ बनल छै।

रूप-गुण सभ ओहिना-ओहिनी
मूल तत्त्व अधार बनल छै।

बिनु बीटे ठाढ़ केना रहतै
नमगर-छड़गर कड़चियाएल बाँस।
वंशो-वृक्ष तहिना कहि-कहि
धड़ि-धीर धेने छै आस

अटपट-लटपट खेल चलै छै
आमक गाछ महकारी फड़ै छै
गन्ध आम पसारि-पसारि
मीठ-तीत सेहो बनबै छै।
भाव-भूमि भवजाल पसारि
नजैर खिरा ताकैत रहै छै।
दौजी-मुड़हन समेट-समेट
हवा बीच उड़बैत रहै छै।

बिर्ड़ो बीच वौआइत-ढहनाइत
देखनिहारो देखैत रहै छै।
पकैड़ पेट खोंइचा छोड़ा
दूधक फेड़-फाड़ देखैत रहै छै।
मुदा तैयो, आँगुर चुट्टा बनि
बीछि-बीछि बीआ पकड़ैत रहै छै।
गनि-गनि फुट-फुटा
धरतीक भाव बुझैत रहै छै।

सुरकुनियाँ चालि पकैड़-पकैड़
समाढ़-जाल तोड़ैत चलै छै।

जहिना कोंपर रूप बाँस बनि
टोपी खोलि अकास धड़ै छै।
पाछू-पछुआ कड़ची सिरैज
नाम बाँस धड़बए लगै छै।
आशा-आस लगा एक-दोसर
झूला जिनगी झूलए लगै छै।

सोधि-ओधि सिरैज कोंपर
बिट वंश कहबए लगै छै।
अन्तिम छोर लीला जिनगीक
आशा आस लगबए लगै छै।
फड़ि-फुला हरिआ-हरिआ
परिवार-गाम बनबए लगै छै।
सर्ग-नर्क उतैर अकास
बोड़िया-बिस्तर समटए लगै छै।

समेट-समेट समा-समा
धरती उतैर बाजए लगै छै।
धरतिये सभ किछु जनमाबे
हृदय खोलि कहए लगै छै।
जेहन जहिन जेकर जेहेन
से तेहने बाट पकड़ै छै।
कानी-धरनी मरनी कहि-कहि
धरनी-करनी मिलि कहै छै।
धरनी-करनी मिलि...। ❑

बाल गीत

सुनू बौआ यौ सुनू नूनू यौ
चेहरा देखि मन झहरैए
तरे-तरे देह सिहरैए
तड़ैप-तड़ैप ओ कुलैप-कुलैप
बेथित भऽ बेथा सुनबैए
बिरड़ोमे उड़ि-उड़ि अहाँ
दोगे सान्हिए पड़ा रहल छी
मातृभूमिक रस पीबि बिना
पुरुखाक पुरुषत्व हेरा रहल छी।

मनुखक जिनगी आँकि-आँकि
अपनाकेँ अँकए पड़त।
नइ तँ गांगी जमुनी जकाँ
बोहिआइत जिनगी चलत।

केकरो मेटेने की कहियो
गंगा आकि कोइस मरतै
धारक पेट सदए धारासँ
संग-संग चलिते रहतै।
मनुख-मनुखमे भेद केतए

देखए पड़त ओइ दुर्गकेँ
ढाहि ढूहि ओइ आड़ि-धूर
नव जिनगीक दुनियाँ गढ़िकऽ।
नव जिनगीक दुनियाँ... ।


गाछी भुताहि

बाबाक रोपल गाछी भुताहि।
घाम बहा जरि-जरि सिचलैन।
तामि कोरि-कोरि गाछ रोपलैन।
नै बुझलैन बाँझिक किरदानी
देखि-देखि मन हर्षित भेलैन।
जे ने कहियो माटि देखलक
फुनगी पकैड़ अकास पकड़लक।
नै देखि जड़ि दिस कहियो
सदैत उड़ि बादल पकड़लक।
गामक पोखैर जहिना डेरौन
तहिना दबकल अढ़मे मन।
कानि-खीजि सदैत कलपैत
कियो ने बँचबैबला अछि पड़त।

जइ धरतीपर बहैए गंगा
कमला संग जमुनिया धार
शान्तचित्त रूप सरस्वती
पहुँचैत मिलि गंगा सागर।
तिल-तिल उत्तर ढलान दिस
अनबरत बहैत सुर्जक धार।

नाचि-नाचि मिलि गाबए
जेबै जरूर-जरूर, ओइ पार।

गाछी बीच बैस सदि बाबा
सभ किछु देखि रहल छैथ।
बाँझक बच्चा अनकर नेत
बिहैस-बिहैस कहै छैथ।
नै अछि बौआ गाछी भुताहि
मनक सभ किरदानी छी।
माँजह मन चमकाबह मनुआ
केकरो ने मनमानी छी।
केकरो ने मनमानी छी।
केकरो ने मनमानी...।


अंडीक छाहैर

जेसलमेर राजस्थानक जहिना
मिथिलाक कोसी क्षेत्र अछि तहिना।
चकचकौआ बालु जेना ओतए
कोशिकन्होक तहिना एतए।
अजगूत मेल-मिलाप दुनूक छै
अंडी जहिना कोशिकन्हाक छाँह
सांगरि तहिना ओतौ छै।
बनलो छै तहिना छाँह।

वृक्षे ने छाहैर सिरजैए
सएह ने दुनू करै छै।
मुदा दुनूक दूरी ओतेक
अकास-पतालमे भेद जतेक।
एक उगे सुखल बालुमे
दोसर उगै पनिआहमे।
अजीव नटकिया बालुओ छी?
केतौ-केतौ पानिक परिचय दैत
केतौ-केतौ बिनु पानिक।
पल्ला पड़िते, सुआइत ने
उड़ि-उड़ि जान गमबैत।

केतबो मोर नाच देखबए
तँए कि बालुक चालि बदलतै।
उल्लू केतबो मुँहदुसी बनइ
तैयो लक्ष्मीएक सवारी कहौतै।


परदेशी

नै बुझि पेलौं अखन धरि
दाही-रौदीक औरुदा केते।
एक दिन जाड़ माघक बितने
उनतीस दिन पड़ाएत जते।
बारह मासक साल बनै छै
छअ करोटिया ॠतुओ लइ छै
केंचुआ छोड़ि नव रूप पाबि जेना
जौवन नइ जीवन धड़ै छै।
अपन-अपन रूप गढ़ि-गढ़ि
नव सृष्टि सृजमान करै छै।

नव सिरैज नव युगक
नव विचारक लोक गढ़ै छै।
सृष्टिक भीतर सृष्टि सिरैज
मौसमक सुर-तान भरै छै।
पबिते हवा श्रृंगार सौरभक
ठठा-ठठा मुसकान भरै छै।
पेटक खातिर लुटा रहल छी
इज्जत-आबरू ओ सन-मान
हारल नटुआक संग पकैड़

गाबै छी प्रभाती विहान।
देखए पड़त मातृभूमि मिथिलाकेँ
माटि-पानि ओ वसात।
अङ्गेज अंग सहेज संग
देखि पाएब सोन्हगर अकास।

जे कहियो सातम अकास चढ़ि
मुरलीक तान भरैए
कुरेड़क कुरहैर कटि-कटि
दूरेसँ ढोल बजबैए।

ढोलिया बनि ढोल बजा
अवाज ढोल उड़ैत रहैए।
दुनियाँ देखैक ऑंखि रहितो
अपनाकेँ कहाँ देखि पबैए।
अपनाकेँ कहाँ...।


अन्हराएल छी

जते सोझरा चलए चाहै छी
ओते आरो ओझराइए।
टीक पकैड़ चिड़चिड़ी जहिना
टिकासन चढ़ि चिचिआइए।

रंग-बिरंगक अन्हार पसारि
निसचरक सिरजन करैए।
केतौ सुर्ज झापि अन्हार
तँ केतौ बुइध विलाइए।
सृष्टिक सिरजन अन्हारकेँ
इजोतमे आनए पड़त।
जाधैर से नै आनि पाएब।
अन्हारे-अन्हार वौअए पड़त।
दोहरा कऽ कियो जन्म नै लइए
ऐ धुआ-काया संग।
उच्चमना संकल्प साधि
पकैड़ पथ चलै निमग्न।

दुनियाँक सुन्दर फुलवाड़ीकेँ
चिक्कन-चुनमुन चुनियाबए।

रागी-विरागीक बीच
किछु-ने-किछु करै पड़ै छै।
विचार-कुविचार बीच
अपन बाट धड़ए पड़ै छै।
अपन बाट बनबए पड़ै छै।
अपन बाट...।



ओ दिन

ओ दिन, ओ दिन छी
जइ दिन भयक प्रेमी देखलौं।
ओ दिन, ओ दिन छी
जइ दिन भयसँ यारी केलौं
दर्शन पाबि भैयारी केलौं।

माघ मास राति सतपहरा
आशाक आश भैयारी देखलौं।
ओ दिन, ओ दिन छी
संग सटल भैयारी देखलौं।

जेकर सिर सोर बनि
पानिक संग पताल पहुँचए।
सिसैक-सिसैक, संग आसक
जिनगीक संग जीबैत चलए।
संग मिलि हँसए
गबैत चलए संग-संग।
राति-दिन सहन सिरैज
कुदि-फानि कुदैत संग।

घर भैयारी, बाहर भैयारी
संगी, मित्र-दोस्त कहबैत।

प्रेमाश्रु संग ढुलैक-ढुलैक
धरती बीच नाओं धड़बैत।
सिर उसरगए मिलि संग
वीर-शहीद कहबैए।
मातृभूमि ओ पितृभूमि बीच
सेवा कऽ जगबैए।

बजिते एक देबाल घड़ी
घरक घंटी घुनघुनाएल।
पकैड़ कान गुनगुना-गुना
रणभूमि-कर्मभूमि देखाएल।
सातो घर सजल सेज
देखिते मन तड़ैप उठल।
दलदल करैत दलकीमे
चिचिया-चिचिया चहैक उठल।
अछि कठिन कर्मक परीक्षा
मुदा, सफल हएब नै कठिन।
विचार सहेज सूत-सुता
समेट-समेट कएल एकठीन।
बेंग सद्दश कूदए लगैत
तरजू कला समेट धड़ब।
कलाकारी छी, मोचना कठिन
आँगुरसँ पकैड़ धड़ब।
जिनगी परीक्षाक ओ घड़ी
जइ दिन जिनगी नाओं पड़ए।

जागल-सुतल बीच दुनूक
जागलनाथ काज धड़ए।
नीक काजक नीक फल
एक्के आँखिए दुनियाँ कहैए।
कनाह कहू आकि समूह
देखि-देखि समोह लगैत रहै छै।
साध सिरैज साधक सदैत
फूल वृक्ष सजबैए।
सिरैज शक्ति, शक्ति संग
सदैत भक्ति करैए।
सदए भक्ति करैए।


सती-वेश्या

सरिपहुँ कहै छी, कियो नै
बसए दिअ चाहैए।
मोख पकैड़ मुँह छेकि
खूर-पुजैक आहूत करैए।
बिनु खूर-पुजौने पकैड़-पकैड़
दलदलमे भँसबैए।

केतौ दल-दल थल-थल बनि
गाछक झोंझ लसकौनेए।
लसकैयोक बिकराल बोन छै
छेकने सगतैर धरतिये-ए।
केना ससैर पाएब ओकरा
अरूप-सरूप क्षणे बदलैए।
नव-नव चालि नव रूप सजा कऽ
धूप-छाँह बनि खेलबैए।
जाधैर जड़िकेँ जानि नै पेबै
नाओं-ठेकान उड़बैए।
बिनु नाओं-ठेकाने, केनए-केनए
मड़ियाएल आँखि चिन्ह पेबै।
बिनु देखने चीन्हि केना पेबै

चालि-चलैन आ किरदानी।
बिनु गछाड़ने, डेग नै कहियो
देत उठए अपन मन-मानी।
जुग-जुगसँ छिछिया-छिछिया
छुछका-छुछका छुछकै छी।
राड़ी-डबहारी रोपि-रोपि
बन खरहोरि कहै छी।

जँ लग्गाक लागि लगा
जाए चाहब ओइ पार।
बीचक धार बदैलते
औना खसब मझधार।

जखने नकसी बान्हि लग्गा
हँसि लग्गा लग्गी बनत।
लग्गा भरि जे छल हटल
ससैर-ससैर लग बसत।
पाबि बान्ह जेना खढ़ आ बत्ती
घर नाओं धड़बै छै।
तहिना सहेजते सज्या
बसोबास बनबै छै।

बीत भरि ओ बाँसक छिप्पी
उनैट टुटि सटै छै।
पड़िते बान्ह दुहुक दुनू

नोकसी रूप धड़ै छै।
जरवने पड़ैत जौड़क लटपटी यारी
प्रेमिकाकेँ दिअए इशारा।
अजगुत रूप प्रेमी-प्रेमिकाक
दुनूक-दुनू बनैत सहारा।
लीला अगम बनल दुनूक
अछि चाहैत करए सभ प्रेम।
मुदा, की? ई थिक अनुचित
हँसि दुनियाँसँ करी प्रेम।

लग्गीए छी जौहरी करामाती
करवनो तोड़ए गाछक डारि।
करवनो नापए कुदि-कुदि
खेते-खेत बनबैत आड़ि।
करवनो धारमे नाव दौगा
धार पार करैए।
करवनो फल-फूल तोड़ि-तोड़ि
भुखल पेट भरैए।

लग्गी बनि बनिते ओजार
नचनी-नाच नचए लगैत।
अपने हाथे खुआ-खुआ
अकैड़-सकैड़ चालि धड़बैत।
हाथ-हथियार बनिते बनैत
कनखिया देखबए उड़ियाइत सती।

बिलगा-बिलगा, बुझा-बुझा
आन नहि, ओहो अपने हेती।

पड़िते दृष्टि दहैल, पहैल
गमे-गमे गुड़कए लगैत।
पकैड़ डोर सिनेही सिनेह।
स-हरि सिहैर सटए लगैत।
कँपैत करेज कुहैर कुकुआ
गुन-गुन गुनाइत गीत।
तड़ैक-तड़ैप तन-तना
प्रेमी मन झकसए लगैत।
रेहे-रेहे सींच झकासी
सीता शीत सिहरबए लगैत।
चाक चढ़ल पानि-माटि जेना
नव-नव वर्तन गढ़ए लगैत।
तहिना मन तनमे
सुमति सोच सेहो सिरजैए।
सच्चे कहै छी, नै बसए
दिअ चाहैए हमरा।
झीक-झीक झोंट झटैक
लीड़ी-बीड़ी सेहो करैए।
नवकी कनियाँ बुझि-बुझि
वेश्या-सती बनबैए।
धर्मराजसँ यमराज बनि
छतपति नाओं धड़बैए।

केना बँचि पाएत यौ भैया
सत्-क सतीत्व हमर?
केना जीत पएब हम
संसारक ई समर।
मोख मारि बैसल वेश्या-ए
ससैर केना सकब कहू?
देखिते देखि, बुझिते बुझि
की करब सेहो कहू?

सत् बसाएब वेश्या कहाँ
वृत्त-कुवृत्तिक खेल छी।
हाथ-मुँहक किरदानी सभ
देखि-देखि बकलेल छी।
चहल-पहल किरदानी शब्दक
नाकक नाथ बनबैए।
सुकुमैर-सुकोमैल नाक पाबि
गाएक आत्मा नथैए।
पड़िते नाक पड़ि नथिया
नर्तकीक रूप गढ़ैए।

काजर-चून लगा-लगा
मारि ठहाका हँसैत रहैए।
काजर घर केना बास करब
मन-मथन सेहो कहैए
करए पड़ै छै बुधि असनान।

केने बिना से केना पेबै
तन-मन अन्तरक धन-धान
धन-धान केना पेबै।
धान-धन कहबै छै भैया
केना ने मुहोँ खोलब।
मुदा, मुकरि-मुकरि मकड़जाल
पानि-बरफ केना बुझब।

जाबे पानि बरफ नइ बुझब
ताबे हवा-पानि केना बुझब।
बिनु हवा-पानि बुझने
सुतिया सूत केना पेबब।


दूजा भाव

प्रीत एना किए पिताजी
विपरीत बनि चलैए।
पुत्र-पुत्रीक सिनेह बीच
दूजा-भावक रूप धड़ैए।
युग बदैलते कर्म-धर्म
अपन रूप बदलैए।
साक्षी बनि इतिहास ठाढ़ भऽ
मुस्की मारि कहैए।
त्रेता चढ़िते बहुत किछु बदलल
सत्-युगक आचार-विचार।
तहिना ने द्वापरो ऐबते
त्रेताक बदललक चालि-बेवहार।
भैया जन्म दिन केर
हँसी-खुशी मनबै छी।
हमरा बेर एना किए होइए
माथ-हाथ धड़ै छी।
खेनाइ-पीनाइ पढ़ौनाइ-लिखौनाइ
भैया संग जे केने।
हमरो संग तेहने रखने छी
भाव एहेन दूज किए।

भेद-विदेद बनल छै।
सृष्टिकेँ दुनू निर्माता
दूरी किए बनल छै।
बेटा-बेटीक संग जँ
पापक एहेन किरदानी रहत।
तखन केना मनुखक मनुखता
धरती बीच बँचल रहत?


जीबैले लड़ए पड़ै छै

लड़ि जीबू आकि मरि जीबू
जिनगीक दू धार बहै छै।
अपन सभ भाग्य निर्माता
मनोनुकूल जिनगी बनै छै।

लक्ष्य बिनु जिनगी ओहने
जेहेन बाँझ-बहिल होइए।
सुगरक मल सद्दश ओकर
नीप-पोत विहीन होइए।

सभ चाहए आनन जीवन
डारिये-पाते फूल फुलाए।
बिनु सुख-चैने केना फुलेतै
अछैते परान जिनगी कुम्हलाए।

सुख-चैन फड़ै, दुख मेटेने
दुख मेटाएत संघर्षमे।
तहिना दुख पसरल छै सगतैर
वौआइत ढहनाइत जीवनमे।

दैहिक-दैविक भौतिक ताप
बिलगा-बिलगा देखए पड़ै छै।
बिनु देखने दिशाहीन भऽ
औना-पौना सड़ि सड़ि मरए पड़ै छै।

तीनूक अपन-अपन दुनियाँ छै
लीला तीनूक रंग-बिरंग।
तीनू बाँटि नेने छै धरती
कुदै-फानै छै रंग-रंग।


पगलखना

पागल ऐ संसारमे
पगलपनी खेल चलैत रहै छै।
पगला पागल पकैड़
पगलखाना बनबैत रहै छै।

लटखेना दोकान जहिना
मिरचाइ-मिसरी संग रहै छै।
संसारक झँखुराएल वन तहिना
पगलपाना पीपही पनपैत रहै छै।
पागल ऐ संसारमे
पगलपनी खेल चलैत रहै छै।

कियो पगलाएल खेत कीनैले
तँ कियो पगलाएल चुमै खेतले।
कियो पगला करैत डाक-डाकैन
तँ कियो पगलाइत अगवास-ले।
रहितो सबहक एक मंशा
बाट-घाट वौराइत चलै छै।
सभकेँ सभ पागल कहि
नाच पगलपनी नचैत रहै छै।
पागल ऐ संसारमे
पगलपनी खेल चलैत रहै छै।

कियो पगलाएल सुख-शान्ति-ले
कियो मधुशाला वौराएल रहै छै।
तेज सवारी पकैड़ चढ़ि
बैलेंस जिनगी मिलबैत चलै छै।
पागल ऐ संसारमे
पगलपनी खेल चलैत रहै छै।
लपैक-झपैक मासूम मौसममे
झाँखुर वन बनबैत चलै छै।
पागल ऐ संसारमे
पगलपनी खेल चलैत रहै छै।

एक-भग्गू लूरि-बुधि संग
एकबट्टू बाट बना चलै छै।
सुखाएल हाड़ स्वान जहिना
अपने रस पीबैत जीबै छै।
जहिये जनमल मानव धरती
संग स्वान अबैत रहल छै।
कटने-चटने सेर बरबैर
संग मिल संग नचैत रहै छै।
पागल ऐ संसारमे
पगलपनी खेल चलै छै।
❑

तिथि सहित दस वर्षक गद्य लेखन-क्रम:

416. पाइक मोल- शब्द संख्या: 2412, तिथि: 22 दिसम्बर 2013

417. चोरूक्का झगड़ा- शब्द संख्या: 538, तिथि: 24 दिसम्बर 2013

418. अपसोच- शब्द संख्या: 548, तिथि: 26 दिसम्बर 2013

419. पतझाड़- शब्द संख्या: 2587, तिथि: 31 दिसम्बर 2013

419. झीसीक मजा- शब्द संख्या: 453, तिथि: 1 जनवरी 2014

420. मति-गति- शब्द संख्या: 1807, तिथि: 07 जनवरी 2014

421. रिजल्ट- शब्द संख्या: 2343, तिथि: 16 जनवरी 2014

422. अपन सन मुँह- शब्द संख्या: 5696, तिथि: 25 जनवरी 2014

423. सुमति- शब्द संख्या: 3072, तिथि: 30 जनवरी 2014

424. फेर पुछबैन- शब्द संख्या: 346, तिथि: 31 जनवरी 2014

425. माघक घूर- शब्द संख्या: 1683, तिथि: 06 फरवरी 2014

426. खर्च- शब्द संख्या: 330, तिथि: 07 फरवरी 2014

427. अखरा-दोखरा- शब्द संख्या: 342, तिथि: 10 फरवरी 2014

428. पेटगनाह- शब्द संख्या: 593, तिथि: 14 फरवरी 2014

429. बड़की माता- शब्द संख्या: 1224, तिथि: 18 फरवरी 2014

430. धरती-अकास- शब्द संख्या: 184 , तिथि: 19 फरवरी 2014

431. बकठाँइ- शब्द संख्या: 883, तिथि: 24 फरवरी 2014

432. चैन-बेचैन- शब्द संख्या: 936, तिथि: 09 मार्च 2014

433. हथियाएल खुरपी- शब्द संख्या: 645 , तिथि: 11 मार्च 2014

434. अलपुरिया बरी- शब्द संख्या: 287, तिथि: 12 मार्च 2014

435. नीक बोल- शब्द संख्या: 565, तिथि: 13 मार्च 2014

436. सुआद- शब्द संख्या: 624, तिथि: 14 मार्च 2014

437. गंगा नहेलौं- शब्द संख्या: 690, तिथि: 19 मार्च 2014

438. भोँटक गहमी- शब्द संख्या: 508, तिथि: 24 मार्च 2014

439. भँसैत नाह- शब्द संख्या: 597, तिथि: 26 मार्च 2014

440. पान पराग- शब्द संख्या: 1692, तिथि: 29 मार्च 2014

441. सिरमा- शब्द संख्या: 760, तिथि: 31 मार्च 2014

442. नौमीक हकार- शब्द संख्या: 1119, तिथि: 03 अप्रैल 2014

443. फोंक मकड़- शब्द संख्या: 1744, तिथि: 10 अप्रैल 2014

444. केते लग केते दूर- शब्द संख्या: 1252, तिथि: 14 अप्रैल 2014

445. अभिनव अनुभव- शब्द संख्या: 326, तिथि: 16 अप्रैल 2014

446. खोंटकर्मा- शब्द संख्या: 1184, तिथि: 19 अप्रैल 2014

447. किछु ने- शब्द संख्या: 503, तिथि: 22 अप्रैल 2014

448. झकास- शब्द संख्या: 1589, तिथि: 26 अप्रैल 2014

449. अप्पन-बीरान- शब्द संख्या: 2919, तिथि: 01 मई 2014

450. सजमनियाँ आम- शब्द संख्या: 611, तिथि: 04 मई 2014

451. अर्जुन रोग- शब्द संख्या: 1003, तिथि: 7 मई 2014

452. गरदैन कट्टा बेटा- शब्द संख्या: 575, तिथि: 10 मई 2014

453. नैहराक धाड़- शब्द संख्या: 885, तिथि: 14 मई 2014

454. अवाक- शब्द संख्या: 1041, तिथि: 17 मई 2014

455. पोखैरक सैरात- शब्द संख्या: 923, तिथि: 20 मई 2014

456. दनियाँ डाबा- शब्द संख्या: 409, तिथि: 22 मई 2014

457. धरम काँट- शब्द संख्या: 395, तिथि: 23 मई 2014

458. पल भरि- शब्द संख्या: 1116, तिथि: 24 मई 2014

459. किरदानी- शब्द संख्या: 5309, तिथि: 14 जून 2014

460. सगहा- शब्द संख्या: 2860, तिथि: 22 जून 2014

461. अकाल- शब्द संख्या: 1238, तिथि: 24 जून 2014

462. उझट बात- शब्द संख्या: 1152, तिथि: 26 जून 2014

463. कर्जखौक- शब्द संख्या: 1175, तिथि: 2 जुलाई 2014

464. उनटन- शब्द संख्या: 1187, तिथि: 6 जुलाई 2014

465. रेहना चाची- शब्द संख्या: 1307, तिथि: 9 जुलाई 2014

466. बुधनी दादी- शब्द संख्या: 1256, तिथि: 11 जुलाई 2014

467. अउतरित प्रश्न- शब्द संख्या: 1229, तिथि: 14 जुलाई 2014

468. हारि- शब्द संख्या: 1240, तिथि: 16 जुलाई 2014

469. सोनाक सुइत- शब्द संख्या: 1135, तिथि: 17 जुलाई 2014

470. मरुभूमि- शब्द संख्या: 1214, तिथि: 20 जुलाई 2014

471. असगरे- शब्द संख्या: 1557, तिथि: 24 जुलाई 2014

472. पुरनी नानी- शब्द संख्या: 1304, तिथि: 27 जुलाई 2014

473. कटा-कटी- शब्द संख्या: 1140, तिथि: 30 जुलाई 2014

474. केते लग केते दूर- शब्द संख्या: 1206, तिथि: 3 अगस्त 2014

475. गलती अपने भेल- शब्द संख्या:3386, तिथि: 06 अगस्त 2014

476. चोरक चोरबती- शब्द संख्या: 884, तिथि: 6 अगस्त 2014

477. घर तोड़ि देलिऐ- शब्द संख्या: 1527, तिथि: 10 अगस्त 2014

478. सजल स्मृति- शब्द संख्या: 2363, तिथि: 14 अगस्त 2014

479. सनेस- शब्द संख्या: 2654, तिथि: 16 अगस्त 2014

480. सए कच्छे- शब्द संख्या: 488, तिथि: 19 अगस्त 2014

481. एक मुठी घास- शब्द संख्या: 411, तिथि: 21 अगस्त 2014

482. करिछौंह मुँह- शब्द संख्या: 318, तिथि: 24 अगस्त 2014

483. पुरस्कार- शब्द संख्या: 2414, तिथि: 24 अगस्त 2014

484. गावीस मोइस- शब्द संख्या: 687, तिथि: 29 अगस्त 2014

485. मनकमना- शब्द संख्या: 6110, तिथि: 19 सितम्बर 2014

486. घरवास- शब्द संख्या: 4879, तिथि: 26 सितम्बर 2014

487. समधीन- शब्द संख्या: 6098, तिथि: 04 अक्टूबर 2014

488. चापाकलक पाइप- शब्द संख्या: 1616, तिथि: 7 अक्टूबर 2014

489. कलम हानि कऽ- शब्द संख्या: 2226, तिथि: 10 अक्टूबर 2014

490. लतियाएल जिनगी- शब्द संख्या: 1184, तिथि: 14 अक्टूबर 2014

491. गामक शकल-सूरत- शब्द संख्या: 2596, तिथि: 20 अक्टूबर 2014

492. जितिया पाबैन- शब्द संख्या: 3706, तिथि: 24 अक्टूबर 2014

493. सुखाएल सूरत- शब्द संख्या: 3690, तिथि: 30 अक्टूबर 2014

494. भैयारी हक- शब्द संख्या: 3131, तिथि: 4 नवम्बर 2014

495. ठकुआएल भुसवा- शब्द संख्या: 3335, तिथि: 13 नवम्बर 2014

496. खुदियाएल- शब्द संख्या: 2887, तिथि: 17 नवम्बर 2014

497. खटहा आम- शब्द संख्या: 3515, तिथि: 22 नवम्बर 2014

498. ढकरपेँच- शब्द संख्या: 3759, तिथि: 30 नवम्बर 2014

499. असहाज- शब्द संख्या: 2865, तिथि: 04 दिसम्बर 2014

500. समरथाइक भूत- शब्द संख्या: 3853, तिथि: 07 दिसम्बर 2014

501. विदाइ- शब्द संख्या: 5131, तिथि: 17 दिसम्बर 2014

502. खलओदार- शब्द संख्या: 735, तिथि: 19 दिसम्बर 2014

503. मनुखदेवा- शब्द संख्या: 1027, तिथि: 22 दिसम्बर 2014

504. उमेद- शब्द संख्या: 3643, तिथि: 31 दिसम्बर 2014

505. गलगर भैंस- शब्द संख्या: 3392, तिथि: 4 जनवरी 2015

506. जाड़ फाटि गेल- शब्द संख्या: 3328, तिथि: 9 जनवरी 2015

507. सुरता- शब्द संख्या: 3304, तिथि: 15 जनवरी 2015

508. असुध मन- शब्द संख्या: 2353, तिथि: 19 जनवरी 2015

509. धरमूदासक अखड़ाहा- शब्द संख्या: 1410, तिथि: 21 जनवरी 2015

510. ठोररंगू- शब्द संख्या: 1531, तिथि: 23 जनवरी 2015

511. लगबे ने कएल- शब्द संख्या: 1449, तिथि: 25 जनवरी 2015

512. उकड़ू समय- शब्द संख्या: 1467, तिथि: 27 जनवरी 2015

513. चास-बास दुनू गेल- शब्द संख्या: 1615, तिथि: 29 जनवरी 2015

514. चौरचनक दही- शब्द संख्या: 2095, तिथि: 31 जनवरी 2015

515. अपन मन अपन धन- शब्द संख्या: 1532, तिथि: 3 फरवरी 2015

516. टुटली मरैया- शब्द संख्या: 1951, तिथि: 7 फरवरी 2015

517. हकार- तिथि: 11 फरवरी 2015, शब्द संख्या: 1911

518. दहेजुआ गाए- शब्द संख्या: 1908, तिथि: 15 फरवरी 2015

519. मेटाइत जिनगी- शब्द संख्या: 2129, तिथि: 20 फरवरी 2015

520. धुर बुड़ि तोरा बजै ने अबै छौ!- शब्द संख्या:1996, तिथि: 23 फरवरी 2015

521. लेहाज- शब्द संख्या: 1906, तिथि: 26 फरवरी 2015

522. विचार हेरा गेल- शब्द संख्या: 1917, तिथि: 1 मार्च 2015

523. ओ दिन- शब्द संख्या: 1782, तिथि: 4 मार्च 2015

524. उरीन- शब्द संख्या: 3235, तिथि: 8 मार्च 2015

526. नहरकन्हा- शब्द संख्या: 1209, तिथि: 11 मार्च 2015

527. बटखौक- शब्द संख्या: 1272, तिथि: 14 मार्च 2015

528. पसेनाक धरम- शब्द संख्या: 1263, तिथि: 16 मार्च 2015

529. जेठुआ गरदा- शब्द संख्या: 1103, तिथि: 18 मार्च 2015

530. हँसीएमे उड़ि गेलौं- शब्द संख्या: 1243, तिथि: 20 मार्च 2015

531. बुड़िबकहा बुड़िबक बनौलक- शब्द संख्या: 1234, तिथि: 23 मार्च 2015

532. हमर बाइनिक विचार- शब्द संख्या: 1207, तिथि: 26 मार्च 2015

533. नोकरिहारा- शब्द संख्या: 1146, तिथि: 26 मार्च 2015

534. घसवाहि- शब्द संख्या: 1213, तिथि: 28 मार्च 2015

535. तेतर भाइक कविता- शब्द संख्या: 1319, तिथि: 1 अप्रैल 2015

536. छूआ- शब्द संख्या: 1223, तिथि: 6 अप्रैल 2015

537. दोसराइत- शब्द संख्या: 1270, तिथि: 9 अप्रैल 2015

538. लछनमान- शब्द संख्या: 1173, तिथि: 13 अप्रैल 2015

539. हमर कोन दोख- शब्द संख्या: 1527, तिथि: 17 अप्रैल 2015

540. मौसी- शब्द संख्या: 1393, तिथि: 21 अप्रैल 2015

541. नटकिया गति- शब्द संख्या: 1313 24 अप्रैल 2015

542. खाए चाहैए- शब्द संख्या: 1223, तिथि: 27 अप्रैल 2015

543. मधुमाछी- शब्द संख्या: 1892, तिथि: 07 मई 2015

544. दनगर घास- शब्द संख्या: 2775, तिथि: 13 मई 2015

545. सझिया खेती- शब्द संख्या: 3135, तिथि: 23 मई 2015

546. मुफतिया माल- शब्द संख्या: 3231, तिथि: 29 मई 2015

547. मथाहाथ- शब्द संख्या: 2923, तिथि: 02 जून 2015

548. पहपैट- शब्द संख्या: 1369, तिथि: 05 जून 2015

549. इजोरिया राति- शब्द संख्या: 1512, तिथि: 07 जून 2015

550. तीन जुगिया भाय- शब्द संख्या: 2010, तिथि: 12 जून 2015

551. अँगनेमे हेरा गेलौं- शब्द संख्या: 605, तिथि: 14 जून 2015

552. डकरा हाल- शब्द संख्या: 2529, तिथि: 17 जून 2015

553. जेतए जे हौउ- शब्द संख्या: 2062, तिथि: 21 जून 2015

554. गठूलाक गारि- शब्द संख्या: 1532, तिथि: 25 जून 2015

555. कनी हमरो सुनू- शब्द संख्या: 1983, तिथि: 29 जून 2015

556. गामक बान्ह- शब्द संख्या: 2437, तिथि: 03 जुलाई 2015

557. गुड़ा खुद्दीक रोटी- शब्द संख्या: 2443, तिथि: 08 जुलाई 2015

558. सीरक गाछ- शब्द संख्या: 3071, तिथि: 13 जुलाई 2015

559. हरदीक हरदा- शब्द संख्या: 2924, तिथि: 19 जुलाई 2015

560. जाम- शब्द संख्या: 3355, तिथि: 29 जुलाई 2015

561. गण्डा- शब्द संख्या: 2304, तिथि: 5 अगस्त 2015

562. हाथी आ मूस- शब्द संख्या: 3016, तिथि: 11 अगस्त 2015

563. मुसरी आ घोड़ा- शब्द संख्या: 3625, तिथि: 17 अगस्त 2015

564. फलहार- शब्द संख्या: 2350, तिथि: 25 अगस्त 2015

565. भोरक झगड़ा- शब्द संख्या: 2697, तिथि: 31 अगस्त 2015

566. क्रियाशील- शब्द संख्या: 3395, तिथि: 13 सितम्बर 2015

567. आइ एम शॉरी- शब्द संख्या: 2927, तिथि: 23 सितम्बर 2015

568. ओऽ होऽ होऽ हूसि गेल- शब्द संख्या: 1025, तिथि: 29 सितम्बर 2015

569. मीनी भ्रष्टाचार- शब्द संख्या: 825, तिथि: 5 अक्टूबर 2015

570. गजपट खेती- शब्द संख्या: 1171, तिथि: 8 अक्टूबर 2015

571. समुद्री विद्या- शब्द संख्या: 787, तिथि: 11 अक्टूबर 2015

572. राकशे रहि गेलौं- शब्द संख्या: 959, तिथि: 12 अक्टूबर 2015

573. निनिया देवीक आराधना- शब्द संख्या: 679, तिथि: 13 अक्टूबर 2015

574. बताहे बताह बनौलक- शब्द संख्या: 574, तिथि: 15 अक्टूबर 2015

575. धोखा- शब्द संख्या: 1172, तिथि: 17 अक्टूबर 2015

576. खसैत गाछ- शब्द संख्या: 2234, तिथि: 22 अक्टूबर 2015

577. ठूठ गाछ- एक: शब्द संख्या: 1790, तिथि: 25 अक्टुबर 2015

578. ठूठ गाछ- दू: शब्द संख्या: 1203, तिथि: 29 अक्टुबर 2015

579. वैष्णवी भगवती- शब्द संख्या: 2099, तिथि: 01 नवम्बर 2015

580. ठूठ गाछ- तीन: शब्द संख्या: 999, तिथि: 04 नवम्बर 2015

581. ठूठ गाछ- चारि: शब्द संख्या: 1494, तिथि: 07 नवम्बर 2015

582. ठूठ गाछ- पाँच: शब्द संख्या: 2363, तिथि: 12 नवम्बर 2015

583. ठूठ गाछ- छह: शब्द संख्या: 1539, तिथि: 17 नवम्बर 2015

584. ठूठ गाछ- सात: शब्द संख्या: 3232, तिथि: 23 नवम्बर 2015

585. ठूठ गाछ- आठ: शब्द संख्या: 2780, तिथि: 01 दिसम्बर 2015

586. ठूठ गाछ- नअ 'क': शब्द संख्या: 2091, तिथि: 06 दिसम्बर 2015

587. ठूठ गाछ- नअ 'ख': शब्द संख्या: 1083, तिथि: 08 दिसम्बर 2015

588. ठूठ गाछ- नअ 'ग': शब्द संख्या: 1296, तिथि: 10 दिसम्बर 2015

589. ठूठ गाछ, दस- शब्द संख्या: 3304, तिथि: 16 दिसम्बर 2015

590. प्रीगर शत्रु- शब्द संख्या: 1087, तिथि: 26 दिसम्बर 2015

591. एगच्छा आमक गाछ- शब्द संख्या: 1172, तिथि: 31 दिसम्बर 2015

592. माघ नहाइले जाएब- शब्द संख्या: 2616, तिथि: 4 जनवरी 2016

593. एक घोंट पानि- शब्द संख्या: 2516, तिथि: 10 जनवरी 2016

594. एते दिन अपना-ले आब अनका-ले- शब्द: 3371, तिथि: 16 जनवरी 2016

595. माइक वचन- शब्द संख्या: 2999, तिथि: 21 जनवरी 2016

596. पान- शब्द संख्या: 3115, तिथि: 26 जनवरी 2016

597. आजुक जिनगीक आइ परीक्षा- शब्द: 1676, तिथि: 01 फरवरी 2016

598. शुभचिन्तक- शब्द संख्या: 3947, तिथि: 08 फरवरी 2016

599. करिछौन लाली- शब्द संख्या: 3000, तिथि: 13 फरवरी 2016

600. मोहरा- शब्द संख्या: 1223, तिथि: 15 फरवरी 2016

601. अपन पुरखाक डीह- शब्द संख्या: 1187, तिथि: 17 फरवरी 2016

602. जेना हाथी रही- शब्द संख्या: 1245, तिथि: 20 फरवरी 2016

603. कठफल- शब्द संख्या: 1294, तिथि: 22 फरवरी 2016

604. गामे उपैट गेल- शब्द संख्या: 1680, तिथि: 25 फरवरी 2016

605. झूठे- शब्द संख्या: 1969, तिथि: 29 फरवरी 2016

606. लाही- शब्द संख्या: 2335, तिथि: 3 मार्च 2016

607. परतीहा खढ़- शब्द संख्या: 1667, तिथि: 6 मार्च 2016

608. उजगी- शब्द संख्या: 1079, तिथि: 9 मार्च 2016

609. हाथक जिनगी- शब्द संख्या: 983, तिथि: 14 मार्च 2016

610. गाछपर सँ खसला- शब्द संख्या: 2000, तिथि: 20 मार्च 2016

611. केतौ ने रहलौं- शब्द संख्या: 2103, तिथि: 25 मार्च 2016

612. अपने केलहा- शब्द संख्या: 2314, तिथि: 31 मार्च 2016

613. बत्तु- शब्द संख्या: 2244, तिथि: 10 अप्रैल 2016

614. कछमछी- शब्द संख्या: 2322, तिथि: 15 अप्रैल 2016

615. गैत-वीध- शब्द संख्या: 2424, तिथि: 21 अप्रैल 2016

616. दियरबा-भैंसुर- शब्द संख्या: 2089, तिथि: 29 अप्रैल 2016

617. एक दिन- शब्द संख्या: 2063, तिथि: 5 मई 2016

618. दुधियाएल बरखा- शब्द संख्या: 2059, तिथि: 11 मई 2016

619. गलफूलू- शब्द संख्या: 2117, तिथि: 14 मई 2016

620. बिटगरहा- शब्द संख्या: 1992, तिथि: 19 मई 2016

621. आब नइ आगि लगैए- शब्द संख्या: 1962, तिथि: 23 मई 2016

622. कटौज- शब्द संख्या: 1977, तिथि: 28 मई 2016

623. बाल बोध- शब्द संख्या: 2621, तिथि: 2 जून 2016

624. डभियाएल गाम- शब्द संख्या: 2483, तिथि: 6 जून 2016

625. एकबोलिया दादी- शब्द संख्या: 2189, तिथि: 11 जून 2016

626. मरियाएल मन- शब्द संख्या: 1921, तिथि: 17 जून 2016

627. त्राहि-कृष्ण- शब्द संख्या: 2900, तिथि: 23 जून 2016

628. कन्हा भँट्टा- शब्द संख्या: 2539, तिथि: 30 जून 2016

629. जिगेसा- शब्द संख्या: 3977, तिथि: 8 जुलाई 2016

630. गुलेती दास- शब्द संख्या: 5993, तिथि: 12 अगस्त 2016

631. भोलानाथ बाबा- शब्द संख्या: 2359, तिथि: 17 अगस्त 2016

632. दुरकाल- शब्द संख्या: 3189, तिथि: 22 अगस्त 2016

633. कलंक- शब्द संख्या: 2763, तिथि: 27 अगस्त 2016

634. अड़िकट्टा चोर- शब्द संख्या: 2077, तिथि: 31 अगस्त 2016

635. बगदल गाम- शब्द संख्या: 2405, तिथि: 6 सितम्बर 2016

636. बत्तीसोअना- शब्द संख्या: 890, तिथि: 8 सितम्बर 2016

637. कचहरिया रोग- शब्द संख्या: 1651, तिथि: 12 सितम्बर 2016

638. दिन घटि गेल- शब्द संख्या: 2425, तिथि: 5 अक्टूबर 2016

639. मुड़ियाएल घर- शब्द संख्या: 2352, तिथि: 11 अक्टूबर 2016

640. गामक सुरता- शब्द संख्या: 2265, तिथि: 19 अक्टूबर 2016

641. खतियाएल घर- शब्द संख्या: 2057, तिथि: 09 नवम्बर 2016

642. बात-कथा सुनौलक- शब्द संख्या: 1889, तिथि: 15 नवम्बर 2016

643. अनका बेर ओंघी- शब्द संख्या: 2233, तिथि: 20 नवम्बर 2016

644. देव उठान- शब्द संख्या: 2297, तिथि: 24 नवम्बर 2016

645. नमहर घरक चोरि- शब्द संख्या: 2397, तिथि: 28 नवम्बर 2016

646. भोरक सपना- शब्द संख्या: 1013, तिथि: 1 दिसम्बर 2016

647. बालमण्डली- शब्द संख्या: 1288, तिथि: 6 दिसम्बर 2016

648. धोखा केतए भेल- शब्द संख्या: 1053, तिथि: 09 दिसम्बर 2016

649. माघक चाह- शब्द संख्या: 1330, तिथि: 12 दिसम्बर 2016

650. भँसियाएल बाल-बोध- शब्द संख्या: 1306, तिथि: 15 दिसम्बर 2016

651. माघक घूर- शब्द संख्या: 1812, तिथि: 18 दिसम्बर 2016

652. पाही पट्टी- शब्द संख्या: 2370, तिथि: 25 दिसम्बर 2016

653. बीरांगना- शब्द संख्या: 1551, तिथि: 30 दिसम्बर 2016

654. स्मृति शेष- शब्द संख्या: 1941, तिथि: 6 जनवरी 2017

655. मनकेँ फुसलबै छी- शब्द संख्या: 1023, तिथि: 10 जनवरी 2017

656. चहकल विचार- शब्द संख्या: 4173, तिथि: 20 जनवरी 2017

657. विदाइ-दैछना- शब्द संख्या: 2312, तिथि: 25 जनवरी 2017

658. बीरांगना: 2- शब्द संख्या: 1992, 29 जनवरी 2017

659. पकिया चेला- शब्द संख्या: 1976, तिथि: 06 फरवरी 2017

660. कान फुटल कप- शब्द संख्या: 1595, तिथि: 09 फरवरी 2017

661. वर्थ डे- शब्द संख्या: 2535, तिथि: 16 फरवरी 2017

662. जानक मोल- शब्द संख्या: 2782, तिथि: 23 फरवरी 2017

663. गामक कटान- शब्द संख्या: 3115, तिथि: 01 मार्च 2017

664. कर्ज- शब्द संख्या: 3252, तिथि: 07 मार्च 2017

665. बेटीक लिलसा- शब्द संख्या: 2621, तिथि: 11 मार्च 2017

666. अपन गारि अपन दुआरि- शब्द संख्या: 2546, तिथि: 17 मार्च 2017

667. बेटीक पैरुख- शब्द संख्या: 2735, तिथि: 26 मार्च 2017

668. बेटीक कुभेला- शब्द संख्या: 2767, तिथि: 31 मार्च 2017

669. अपन रोपल गाछी भुताहि- शब्द संख्या: 2619, तिथि: 7 अप्रैल 2017

670. बलधकेल कटौज- शब्द संख्या: 2100, तिथि: 11 अप्रैल 2017

671. जारैनक दुख मेटा गेल- शब्द संख्या: 2465, तिथि: 17 अप्रैल 2017

672. पढ़ल सुगा बौक- शब्द संख्या: 3775, तिथि: 26 अप्रैल 2017

673. हरवाहि- शब्द संख्या: 2784, तिथि: मजदूर दिवस (01 मई) 2017

674. क्रान्तियोग- शब्द संख्या: 3432, तिथि: 13 मई 2017

675. उचितवक्ता- शब्द संख्या: 3461, तिथि: 19 मई 2017

676. खेतक बँटवारा- शब्द संख्या: 3607, तिथि: 24 मई 2017

677. विघटन- शब्द संख्या: 3419, तिथि: 31 मई 2017

678. टुटल मनक जुटान- शब्द संख्या: 3456, तिथि: 06 जून 2017

679. बाबा बेलेश्वरनाथ- शब्द संख्या: 2420, तिथि: 11 जून 2017

680. भुतलग्गू आकि भविसलग्गू- शब्द संख्या: 2465, तिथि: 23 जून 2017

681. मर्माहत- शब्द संख्या: 2509, तिथि: 29 जून 2017

682. गुणहीन- शब्द संख्या: 3138, तिथि: 6 जुलाई 2017

683. समझौता- शब्द संख्या: 2280, तिथि: 13 जुलाई 2017

684. जेकर चुन तेकर पुन- शब्द संख्या: 2696, तिथि: 19 जुलाई 2017

685. त्रिकालदर्शी- शब्द संख्या: 2841, तिथि: 25 जुलाई 2017

686. नमहर फेरा- शब्द संख्या: 2902, तिथि: 29 जुलाई 2017

687. आशापर पानि पड़ल- शब्द संख्या: 2391, तिथि: 02 अगस्त 2017

688. कोढ़िया सरधुआ- शब्द संख्या: 2279, तिथि: 06 अगस्त 2017

689. बेटपन- शब्द संख्या: 3054, तिथि: 11 अगस्त 2017

690. छातीक हार- शब्द संख्या: 2291, तिथि: 16 अगस्त 2017

691. उमेरक लेहाज- शब्द संख्या: 2986, तिथि: 22 अगस्त 2017

692. पैंतीस साल पछुआ गेलौं- शब्द संख्या: 2472, तिथि: 05 सितम्बर 2017

693. इज्जत गमा इज्जत बँचेलौं- एक: श. सं.: 1630, तिथि: 14 सितम्बर 2017

694. इज्जत गमा इज्जत बँचेलौं- दू: श. सं.: 2878, 18 सितम्बर 2017

695. इज्जत गमा इज्जत बँचेलौं- तीन: श. सं.: 2318, 22 सितम्बर 2017

696. इज्जत गमा इज्जत बँचेलौं- चारि: श. सं.: 2239, 26 सितम्बर 2017

697. इज्जत गमा इज्जत बँचेलौं- पाँच: श. सं.: 1903, 29 सितम्बर 2017

698. इज्जत गमा इज्जत बँचेलौं- छह: श. सं.: 2450, 03 अक्टुबर 2017

699. इज्जत गमा इज्जत बँचेलौं- सात: श. सं.: 2040, 07 अक्टुबर 2017

700. इज्जत गमा इज्जत बँचेलौं- आठ: श. सं.: 2403, 12 अक्टुबर 2017

701. इज्जत गमा इज्जत बँचेलौं- नअ: श. सं.: 5046, 19 अक्टुबर 2017

702. इज्जत गमा इज्जत बँचेलौं- दस: श. सं.: 794, 19 अक्टुबर 2017

703. पुरान साड़ी- शब्द संख्या: शब्द संख्या: 2453, तिथि: 24 अक्टूबर 2017

704. गाम बिसैर गेल- शब्द संख्या: 2482, तिथि: 28 अक्टूबर 2017

705. ऐँठ साड़ी- शब्द संख्या: 2925, तिथि: 01 नवम्बर 2017

706. लहसन- एक: शब्द संख्या: 3169, तिथि: 10 नवम्बर 2017

707. किछु ने फुरैए- शब्द संख्या: 2095, तिथि: 12 नवम्बर 2017

708. लहसन- दू: शब्द संख्या: 2031, तिथि: 17 नवम्बर 2017

709. महिरम- शब्द संख्या: 1984, तिथि: 20 नवम्बर 2017

710. लहसन- तीन: शब्द संख्या: 2592, तिथि: 25 नवम्बर 2017

711. बेर परहक भदवा- शब्द संख्या: 2726, तिथि: 29 नवम्बर 2017

712. लहसन- चारि: शब्द संख्या: 2562, तिथि: 4 दिसम्बर 2017

713. सड़क-कातक खेत- शब्द संख्या: 2722, तिथि: 10 दिसम्बर 2017

714. दोहरी हाक- शब्द संख्या: 2700, तिथि: 21 दिसम्बर 2017

715. लहसन- पाँच: शब्द संख्या: 4691, तिथि: 30 दिसम्बर 2017

716. पाइक इज्जत- शब्द संख्या: 1999, तिथि: 05 जनवरी 2018

717. सेहन्ता- शब्द संख्या: 2014, तिथि: 11 जनवरी 2018

718. राक्षसक झड़- शब्द संख्या: 1649, तिथि: 15 जनवरी 2018

719. बेरपर- शब्द संख्या: 2585, तिथि: 19 जनवरी 2018

720. केकरा-ले केलौं- शब्द संख्या: 2649, तिथि: 23 जनवरी 2018

721. स्वाभिमानी जिनगी- शब्द संख्या: 2767, तिथि: 28 जनवरी 2018

722. बाबाक बाग-बगिया- शब्द संख्या: 3089, तिथि: 3 फरवरी 2018

723. अब-तब- शब्द संख्या: 2076, तिथि: 7 फरवरी 2018

724. अगिलह- शब्द संख्या: 2472, तिथि: 11 फरवरी 2018

725. लहसन- छह: शब्द संख्या: 2240, तिथि: 15 फरवरी 2018

726. लहसन- सात: शब्द संख्या: 1026, तिथि: 18 फरवरी 2018

727. लहसन- आठ: शब्द संख्या: 2220, तिथि: 22 फरवरी 2018

728. लहसन- नअ: शब्द संख्या: 2015, तिथि: 25 फरवरी 2018

729. कुकुरपन- शब्द संख्या: 2229, तिथि: 28 फरवरी 2018

730. हेराएल जिनगी- शब्द संख्या: 3107, तिथि: 5 मार्च 2018

731. आशापर पानि फेर गेल- शब्द संख्या: 2447, तिथि: 9 मार्च 2018

732. देखल दिन- शब्द संख्या: 2592, तिथि: 27 मार्च 2018

733. इज्जत उतैर गेल- शब्द संख्या: 1905, तिथि: 30 मार्च 2018

734. संकट- शब्द संख्या: 2595, तिथि: 4 अप्रैल 2018

735. एकतीस मार्च- शब्द संख्या: 2814, तिथि: 10 अप्रैल 2018

736. गेल माघ उनतीस दिन बॉकी- शब्द संख्या: 2391, तिथि: 15 अप्रैल 2018

737. बापक चलैत- शब्द संख्या: 2606, तिथि: 20 अप्रैल 2018

738. बेटाक चलैत- शब्द संख्या: 2889, तिथि: 25 अप्रैल 2018

739. प्रवल इच्छा- शब्द संख्या: 2301, तिथि: 30 अप्रैल 2018

740. पंगु- एक: शब्द संख्या: 6478, तिथि: 11 मई 2018

741. पंगु- दू: शब्द संख्या: 2156, तिथि: 15 मई 2018

742. पंगु- तीन: शब्द संख्या: 2092, तिथि: 21 मई 2018

743. पंगु- चारि: शब्द संख्या: 2177, तिथि: 24 मई 2018

744. पंगु- पाँच: शब्द संख्या: 2492, तिथि: 27 मई 2018

745. पंगु- छह: शब्द संख्या: 1853, तिथि: 30 मई 2018

746. पंगु- सात: शब्द संख्या: 911, तिथि: 02 जून 2018

747. पंगु- आठ: शब्द संख्या: 1945, तिथि: 4 जून 2018

748. पंगु- नअ: शब्द संख्या: 935, तिथि: 6 जून 2018

749. ठका गेलौं- शब्द संख्या: 2052, तिथि: 18 जून 2018

750. हारि-जीत- शब्द संख्या: 3190, तिथि: 24 जून 2018

751. पनचैती पनपना गेल- शब्द संख्या: 1095, तिथि: 27 जून 2018

752. कुघाटक मृत्यु- शब्द संख्या: 1608, तिथि: 01 जुलाई 2018

753. एक तम्मा सिदहा- शब्द संख्या: 2014, तिथि: 5 जुलाई 2018

754. कियो ने पुछैए- शब्द संख्या: 1584, तिथि: 9 जुलाई 2018

755. केकरो कियो ने- शब्द संख्या: 718, तिथि: 11 जुलाई 2018

756. गपक पियाहुल लोक- शब्द संख्या: 1420, तिथि: 13 जुलाई 2018

757. उदय-प्रलय- शब्द संख्या: 1574, तिथि: 15 जुलाई 2018

758. हमरा नीक नहि लगैए- शब्द संख्या: 1458, तिथि: 19 जुलाई 2018

759. भारीपन भार बनि गेल- शब्द संख्या: 1471, तिथि: 21 जुलाई 2018

760. मानसरोवरक यात्रा- शब्द संख्या: 2576, तिथि: 31 जुलाई 2018

761. करतब- शब्द संख्या: 2132, तिथि: 04 अगस्त 2018

762. आमक गाछी- एक: शब्द संख्या: 3068, तिथि: 10 अगस्त 2018

763. आमक गाछी- दू: शब्द संख्या: 3553, तिथि: 17 अगस्त 2018

764. आमक गाछी- तीन: शब्द संख्या: 2484, तिथि: 22 अगस्त 2018

765. आमक गाछी- चारि: शब्द संख्या: 2291, तिथि: 28 अगस्त 2018

766. आमक गाछी- पाँच: शब्द संख्या: 2185, तिथि: 02 सितम्बर 2018

767. आमक गाछी- छह: शब्द संख्या: 4701, चोरा चान 12 सितम्बर 2018

768. आमक गाछी- सात: शब्द संख्या: 1805, तिथि: 15 सितम्बर 2018

769. अनचोकक अन्हार- शब्द संख्या: 924, तिथि: 19 सितम्बर 2018

770. आमक गाछी, आठ- शब्द संख्या: 1917, तिथि: 25 सितम्बर 2018

771. अपन बुधियारी अपने खेलक- शब्द संख्या: 1897, ति.: 23 सितम्बर 2018

772. आमक गाछी, नअ- शब्द संख्या: 1914, तिथि: 30 सितम्बर 2018

773. चटवाह- शब्द संख्या- 2134, तिथि: 4 अक्टूबर 2018

774. भगैतिया- शब्द संख्या: 2177, तिथि: 8 अक्टूबर 2018

775. अधमरू साँपक फुफकार- शब्द संख्या: 2196, तिथि: 12 अक्टूबर 2018

776. यादास्त- शब्द संख्या: 1870, तिथि: 15 अक्टूबर 2018

777. हमर मेला चोरि भऽ गेल- शब्द संख्या: 2062, तिथि: 19 अक्टूबर 2018

778. गरदैन हलैल गेल- शब्द संख्या: 1922, तिथि: 23 अक्टूबर 2018

779. दिवालीक दीप- शब्द संख्या: 2422, तिथि: 29 अक्टूबर 2018

780. हारि केना मानब- शब्द संख्या: 2054, तिथि: 02 नवम्बर 2018

781. अप्पन गाम- शब्द संख्या: 1940, तिथि: 06 नवम्बर 2018

782. परिछन- शब्द संख्या: 2661, तिथि: 11 नवम्बर 2018

783. झूठ सपना- शब्द संख्या: 2062, तिथि: 15 नवम्बर 2018

784. जिनगीक अन्तिम फल- शब्द संख्या: 2530, तिथि: 19 नवम्बर 2018

785. चरणबाबूक टैक्सी- शब्द संख्या: 2381, तिथि: 24 नवम्बर 2018

786. पुस्तकालय- शब्द संख्या: 2333, तिथि: 29 नवम्बर 2018

787. विचारभेद- शब्द संख्या: 2553, तिथि: 04 दिसम्बर 2018

788. एकरवा बानर- शब्द संख्या: 2793, तिथि: 09 दिसम्बर 2018

789. फकीरबा स्थान- शब्द संख्या: 2759, तिथि: 14 दिसम्बर 2018

790. रंगमे भंग- शब्द संख्या: 2237, तिथि: 20 दिसम्बर 2018

791. खिलतोड़ भूमि- शब्द संख्या: 2590, तिथि: 17 जनवरी 2019

792. बैगनक बगान बनरा गेल, तूँ मुँह तकै छह- श. 2590, ति. 22 जनवरी 2019

793. मटरक अजोह दाना- शब्द संख्या: 3473, तिथि: 03 फरवरी 2019

794. फुइसिक रग्गड़- शब्द संख्या: 2225, तिथि: 07 फरवरी 2019

795. उखमज- शब्द संख्या: 3964, तिथि: 16 फरवरी 2019

796. एकभग्गू बेटा- शब्द संख्या: 2286, तिथि: 19 फरवरी 2019

797. अगुताइ भेल- शब्द संख्या: 1054, तिथि: 22 फरवरी 2019

798. थैंक्यू पापा- शब्द संख्या: 965, तिथि: 24 फरवरी 2019

799. किसुनपुराक हाट- शब्द संख्या: 995, तिथि: 25 फरवरी 2019

800. धनखेतीक बैगन- शब्द संख्या: 1051, तिथि: 28 फरवरी 2019

801. चितवनक शिकार- शब्द संख्या: 1071, तिथि: 02 मार्च 2019

802. बुढ़ भेलौं तँ दुइर गेलौं- शब्द संख्या: 1086, तिथि: 04 मार्च 2019

803. धुआ साड़ी- शब्द संख्या: 1132, तिथि: 06 मार्च 2019

804. राजरोग- शब्द संख्या: 1274, तिथि: 10 मार्च 2019

805. संकल्प- शब्द संख्या: 1520, तिथि: 12 मार्च 2019

806. एकटा नमहर दुख मेटा गेल- शब्द संख्या: 1349, तिथि: 15 मार्च 2019

807. काजक मोल- शब्द संख्या: 1090, तिथि: 16 मार्च 2019

808. एतए बसव कठिन अछि- शब्द संख्या: 1010, तिथि: 19 मार्च 2019

809. स्वनिर्मित जिनगी- शब्द संख्या: 1091, तिथि: 22 मार्च 2019

810. कपटलालक मृत्यु- शब्द संख्या: 987, तिथि: 25 मार्च 2019

811. गामक ढहल समाज- शब्द संख्या: 966, तिथि: 27 मार्च 2019

812. लजगर लोक- शब्द संख्या: 1003, तिथि: 29 मार्च 2019

813. खरिहाँन उपैट गेल- शब्द संख्या: 1218, तिथि: 02 अप्रैल 2019

814. पगलपन- शब्द संख्या: 1113, तिथि: 04 अप्रैल 2019

815. छलाननक सराध- शब्द संख्या: 996, तिथि: 06 अप्रैल 2019

816. छाती बज्जर केलौं- शब्द संख्या: 1402, तिथि: 08 अप्रैल 2019

817. नाँहकमे दोख- शब्द संख्या: 1463, तिथि: 16 अप्रैल 2019

818. सग्गा पिऔज- शब्द संख्या: 1530, तिथि: 20 अप्रैल 2019

819. गाछसँ नमहर फड़- शब्द संख्या: 1003, तिथि: 22 अप्रैल 2019

820. जिनगीमे जान आएल- शब्द संख्या: 1198, तिथि: 25 अप्रैल 2019

821. जे संग नइ औत ओकरा संग नइ जेबै- श.सं.: 1080, ति.: 26 अप्रैल 2019

822. चौरस खेतक चौरस उपज- शब्द संख्या: 998, तिथि: 29 अप्रैल 2019

823. सिकिया नेता- शब्द संख्या: 1023, तिथि: मजदूर दिवस, 2019

824. मुँह खुजिते नाक कटि गेल- शब्द संख्या: 1475, तिथि: 04 मई 2019

825. जेकरे भर तेकरे डर- शब्द संख्या: 1214, तिथि: 06 मई 2019

826. ललियाएल चेहरा करियाएल मन- शब्द संख्या: 1194, तिथि: 09 मई 2019

827. पुरुखक भर- शब्द संख्या: 1109, तिथि: 12 मई 2019

828. भकमोड़मे पड़ि गेलौं- शब्द संख्या: 1411, तिथि: 15 मई 2019

829. अपन इमान मरि गेल- शब्द संख्या: 1071, तिथि: 17 मई 2019

830. गामक रूप बदैल देब- शब्द संख्या: 1004, तिथि: 19 मई 2019

831. कुभेला- शब्द संख्या: 992, तिथि: 21 मई 2019

832. देखौंस- शब्द संख्या: 945, तिथि: 23 मई 2019

833. समयसँ पहिने चेत किसान- शब्द संख्या: 1326, तिथि: 25 मई 2019

834. काजक मेहपन- शब्द संख्या: 947, तिथि: 27 मई 2019

835. पनरह किलोक कदीमा- शब्द संख्या: 941, तिथि: 29 मई 2019

836. फेर नढ़रो बेल तर जेती- शब्द संख्या: 1553, तिथि: 01 जून 2019

837. काजक धुनि- शब्द संख्या: 1065, तिथि: 03 जून 2019

838. सोरहामे सुर्रा लगि गेल- शब्द संख्या: 1618, तिथि: 06 जून 2019

839. अगराही- शब्द संख्या: 944, तिथि: 08 जून 2019

840. जेकरे-ले चोरि केलौं सएह कहैए चोरा- श.सं.: 1556, तिथि: 11 जून 2019

841. भौक- शब्द संख्या: 1403, तिथि: 14 जून 2019

842. मनतरक पावर- शब्द संख्या: 1598, तिथि: 17 जून 2019

843. हाल-चाल- शब्द संख्या: 1519, तिथि: 20 जून 2019

844. अधमरु साँपक डँस- शब्द संख्या: 1525, तिथि: 23 जून 2019

845. के मानत?- शब्द संख्या: 1721, तिथि: 29 जून 2019

846. दियादीक फेड़- शब्द संख्या: 1412, तिथि: 03 जुलाई 2019

847. वाह रे आदत- शब्द संख्या: 1455, तिथि: 06 जुलाई 2019

848. कटबी सुइद- शब्द संख्या: 1435, तिथि: 09 जुलाई 2019

849. तिलकौआ छत्ता- शब्द संख्या: 1948, तिथि: 13 जुलाई 2019

850. अपने जिनगी भार बनि गेल- शब्द संख्या: 1539, तिथि: 16 जुलाई 2019

851. कलेश- शब्द संख्या: 1509, तिथि: 20 जुलाई 2019

852. गामक आशा टुटि गेल- शब्द संख्या: 2338, तिथि: 24 जुलाई 2019

853. आब इज्जत नइ बँचत- शब्द संख्या: 2046, तिथि: 28 जुलाई 2019

854. अँगनाक बीरार- शब्द संख्या: 1856, तिथि: 31 जुलाई 2019

855. भेँट-घाँट- शब्द संख्या: 1884, तिथि: 03 अगस्त 2019

856. कोसा- शब्द संख्या: 1999, तिथि: 07 अगस्त 2019

857. दहेजक गाए- शब्द संख्या: 2076, तिथि: 15 अगस्त 2019

858. चलती- शब्द संख्या: 1770, तिथि: 18 अगस्त 2019

859. तीन बुड़िवान- शब्द संख्या: 1901, तिथि: 21 अगस्त 2019

860. एकाधिकारी जाति- शब्द संख्या: 2198, तिथि: 24 अगस्त 2019

861. अपन करखन्ना- शब्द संख्या: 1704, तिथि: 28 अगस्त 2019

862. लड़कपन- शब्द संख्या: 2150, तिथि: 03 अक्टूबर 2019

863. कुदृष्टि- शब्द संख्या: 2435, तिथि: 08 अक्टूबर 2019

864. हकार- शब्द संख्या: 2012, तिथि: 16 अक्टूबर 2019

865. दलखिच्चड़मे घी- शब्द संख्या: 2286, तिथि: 25 अक्टूबर 2019

866. दोहरी दहार- शब्द संख्या: 2154, तिथि: 02 नवम्बर 2019

867. पसेनाक मोल- शब्द संख्या: 1748, तिथि: 06 नवम्बर 2019

868. बुढ़ापा- शब्द संख्या: 2122, तिथि: 10 नवम्बर 2019

869. पुरना घराड़ी- शब्द संख्या: 2092, तिथि: 14 नवम्बर 2019

870. जगरनथिया भोज- शब्द संख्या: 2416, तिथि: 18 नवम्बर 2019

871. कृषियोग- शब्द संख्या- शब्द संख्या: 2010, तिथि: 22 नवम्बर 2019

872. काजक रोप- शब्द संख्या: 2679, तिथि: 21 दिसम्बर 2019

873. खटसमाद- शब्द संख्या: 2909, तिथि: 27 दिसम्बर 2019

874. जीबठपन- शब्द संख्या: 2577, तिथि: 02 जनवरी 2020

875. गोटी लाल- शब्द संख्या: 2364, तिथि: 06 जनवरी 2020

876. अपनाकेँ चिन्हैत चलिहह- शब्द संख्या: 2361, तिथि: 11 जनवरी 2020

877. दहेज- शब्द संख्या: 2431, तिथि: 15 जनवरी 2020

878. जेहेन मति तेहेन गति- शब्द संख्या: 2630, तिथि: 21 जनवरी 2020

879. केते लग केते दूर- शब्द संख्या: 2660, तिथि: 31 जनवरी 2020

880. अपन कर्तव्य आकि उपकार- शब्द संख्या: 2410, तिथि: 05 फरवरी 2020

881. जिनगी भौर भेलह हेन- शब्द संख्या: 2789, तिथि: 10 फरवरी 2020

882. वसन्त पंचमी- शब्द संख्या: 2767, तिथि: 16 फरवरी 2020

883. चुटका सुतरल- शब्द संख्या: 2445, तिथि: 21 फरवरी 2020

884. हारल चेहरा जीतल रूप- शब्द संख्या: 2255, तिथि: 25 फरवरी 2020

885. अग्नि परीछा- शब्द संख्या: 3097, तिथि: 01 मार्च 2020

886. आसीरवचन- शब्द संख्या: 2564, तिथि: 06 मार्च 2020

887. दहिबरी- शब्द संख्या: 2560, तिथि: 12 मार्च 2020

888. सघन बन- शब्द संख्या: 2697, तिथि: 17 मार्च 2020

889. हुसैत लोक- शब्द संख्या: 2602, तिथि: 23 मार्च 2020

890. हुसि गेलौं- शब्द संख्या: 2574, तिथि: 28 मार्च 2020

891. झूठक झालि- शब्द संख्या: 2352, तिथि: 01 अप्रैल 2020

892. दुष्टपन- शब्द संख्या: 2317, तिथि: 06 अप्रैल 2020

893. रहै जोकर परिवार- शब्द संख्या: 2297, तिथि: 15 अप्रैल 2020

894. परिपक्व निरलज- शब्द संख्या: 2232, तिथि: 20 अप्रैल 2020

895. अप्पन काज अपने चिन्हू- शब्द संख्या: 2278, तिथि: 24 अप्रैल 2020

896. लजाउ काज- शब्द संख्या: 2394, तिथि: 02 मई 2020

897. सुचिता- एक: शब्द संख्या: 4352, तिथि: 30 मई 2020

898. सुचिता- दू: शब्द संख्या: 4459, तिथि: 08 जून 2020

899. सुचिता- तीन: शब्द संख्या: 4672, तिथि: 15 जून 2020

900. सुचिता- चारि: शब्द संख्या: 4022, तिथि: 02 जुलाई 2020

901. सुचिता- पाँच: शब्द संख्या: 2757, तिथि: 08 जुलाई 2020

902. सुचिता- छह: शब्द संख्या: 3188, तिथि: 14 जुलाई 2020

903. सुचिता- सात: शब्द संख्या: 4483, तिथि: 24 जुलाई 2020

904. सीमावद्ध जीवन- शब्द संख्या: 2420, तिथि: 01 अगस्त 2020

905. कर्ताक रंग कर्मक संग- शब्द संख्या: 2757, तिथि: 06 अगस्त 2020

906. जिनगीक हिसाब- शब्द संख्या: 2711, तिथि: 11 अगस्त 2020

907. अपना जनैत- शब्द संख्या: 2881, तिथि: 16 अगस्त 2020

908. सुद्दढ़ जिनगी- शब्द संख्या: 3460, तिथि: 23 अगस्त 2020

908. मुराम जगह- शब्द संख्या: 3575, तिथि: 31 अगस्त 2020

909. गामक सूरत बदैल गेल: शब्द संख्या: 3340, तिथि: 07 सितम्बर 2020

910. दोसर रस्ता नहि- शब्द संख्या: 2808, तिथि: 13 सितम्बर 2020

911. विचारधाराक भथान- शब्द संख्या: 2659, तिथि: 19 सितम्बर 2020

912. परिवार बिलैट गेल- शब्द संख्या: 3132, तिथि: 26 सितम्बर 2020

913. अनचोकक इजोत- शब्द संख्या: 3339, तिथि: 03 अक्टूबर 2020

914. केलहा सभ पानिमे गेल- शब्द संख्या: 3199, तिथि: 09 अक्टूबर 2020

915. पएर तरक धरती डोलि गेल- शब्द संख्या: 2346, तिथि: 15 अक्टूबर 2020

916. जबुरिया कागज- शब्द संख्या: 3366, तिथि: 22 अक्टूबर 2020

917. बेटाक बिआह- शब्द संख्या: 3734, तिथि: 30 अक्टूबर 2020

918. जीवनमे जान आएल- शब्द संख्या: 3325, तिथि: 06 नवम्बर 2020

919. पोसलाक फल- शब्द संख्या: 3039, तिथि: 12 नवम्बर 2020

920. अन्तिम परीक्षा- शब्द संख्या: 2933, तिथि: 18 नवम्बर 2020

921. गाम आब ओ गाम रहल! - शब्द संख्या: 3038, तिथि: 24 नवम्बर 2020

922. जिनकर जीत तिनकर माला- शब्द सं.: 3025, तिथि: 30 नवम्बर 2020

923. नवका लोक: शब्द संख्या- 3215, तिथि: 06 दिसम्बर 2020

924. काजक उत्तर काज- शब्द संख्या: 3366, तिथि: 12 दिसम्बर 2020

925. घरक खर्च- शब्द संख्या: 3731, तिथि: 19 दिसम्बर 2020

926. समाजक भागे- शब्द संख्या: 3338, तिथि: 25 दिसम्बर 2020

927. बाबा हाथक कोदारि हल्लुक- शब्द संख्या: 4091, तिथि: 02 जनवरी 2021

928. परिवारक विघटन- शब्द संख्या: 2143, तिथि: 07 जनवरी 2021

929. हारल विचार- शब्द संख्या: 3657, तिथि: 14 जनवरी 2021

930. मोड़पर- एक: शब्द संख्या: 4422, तिथि: 25 जनवरी 2021

931. मोड़पर- दू: शब्द संख्या: 3734, तिथि: 01 फरवरी 2021

932. मोड़पर- तीन: शब्द संख्या: 3157, तिथि: 08 फरवरी 2021

933. मोड़पर- चारि: शब्द संख्या: 4844, तिथि: 19 फरवरी 2021

934. मोड़पर- पाँच: शब्द संख्या: 6382, तिथि: 06 मार्च 2021

935. मोड़पर- छह: शब्द संख्या: 2150, तिथि: 10 मार्च 2021

936. मोड़पर- सात: शब्द संख्या: 788, तिथि: 11 मार्च 2021

937. मोड़पर- आठ: शब्द संख्या: 927, तिथि: 12 मार्च 2021

938. मोड़पर- नअ: शब्द संख्या: 1127, तिथि: 14 मार्च 2021

939. मोड़पर- दस: शब्द संख्या: 585, तिथि: 15 मार्च 2021

940. मोड़पर- एगारह: शब्द संख्या: 265, तिथि: 16 मार्च 2021

941. संकल्प- एक: शब्द संख्या: 2988, तिथि: 25 मार्च 2021

942. संकल्प- दू: शब्द संख्या: 1903, तिथि: 29 मार्च 2021

943. संकल्प- तीन: शब्द संख्या: 3101, तिथि: 04 अप्रैल 2021

944. संकल्प- चारि: शब्द संख्या: 3197, तिथि: 10 अप्रैल 2021

945. संकल्प- पाँच: शब्द संख्या: 3202, तिथि: 17 अप्रैल 2021

946. संकल्प- छह: शब्द संख्या: 2026, तिथि: 21 अप्रैल 2021

947. संकल्प- सात: शब्द संख्या: 3139, तिथि: 29 अप्रैल 2021

948. संकल्प- आठ: शब्द संख्या: 2440, तिथि: 04 मई 2021

949. संकल्प- नअ: शब्द संख्या: 2368, तिथि: 08 मई 2021

950. संकल्प- दस: शब्द संख्या: 3977, तिथि: 15 मई 2021

951. अन्तिम क्षण- एक: शब्द संख्या: 2874, तिथि: 20 मई 2021

952. अन्तिम क्षण- दू: शब्द संख्या: 6126, तिथि: 04 जून 2021

953. अन्तिम क्षण- तीन: शब्द संख्या: 3669, तिथि: 12 जून 2021

954. अन्तिम क्षण- चारि: शब्द संख्या: 5817, तिथि: 24 जून 2021

955. अन्तिम क्षण- पाँच: शब्द संख्या: 4916, तिथि: 04 जुलाई 2021

956. परिवारे गजपटा गेल: शब्द संख्या: 1881, तिथि: 09 जुलाई 2021

957. समयक थपेड़मे- शब्द संख्या: 1798, तिथि: 14 जुलाई 2021

958. की सत्त की फुइस?- शब्द संख्या: 1793, तिथि: 17 जुलाई 2021

959. कुभाँज समयक भाँजमे- शब्द संख्या: 1671, तिथि: 21 जुलाई 2021

960. देखल गाम- शब्द संख्या: 1737, तिथि: 25 जुलाई 2021

961. अपना ले- शब्द संख्या: 1903, तिथि: 03 अगस्त 2021

962. तीन धक्का- शब्द संख्या: 1759, तिथि: 06 अगस्त 2021

963. अजीब खेल- शब्द संख्या: 2362, तिथि: 20 अगस्त 2021

964. नीक ठकान ठकेलौं- शब्द संख्या: 2798, तिथि: 25 अगस्त 2021

965. केकरो भरोस- शब्द संख्या: 2237, तिथि: 31 अगस्त 2021

966. बाड़ी भेल धनहर- शब्द संख्या: 1820, तिथि: 04 सितम्बर 2021

967. कुण्ठा- एक: शब्द संख्या: 2284, तिथि: 15 सितम्बर 2021

968. कुण्ठा- दू: शब्द संख्या: 2150, तिथि: 23 सितम्बर 2021

969. कुण्ठा- तीन: शब्द संख्या: 1324, तिथि: 29 सितम्बर 2021

970. कुण्ठा- चारि: शब्द संख्या: 4458, तिथि: 10 अक्टूबर 2021

971. कुण्ठा- पाँच: शब्द संख्या: 2673, तिथि: 18 अक्टूबर 2021

972. कुण्ठा- छह: शब्द संख्या: 2852, तिथि: 24 अक्टूबर 2021

973. कुण्ठा- सात: शब्द संख्या: 1901, तिथि: 18 अक्टूबर 2021

974. कुण्ठा- आठ: शब्द संख्या: 1948, तिथि: 01 नवम्बर 2021

975. कुण्ठा- नअ: शब्द संख्या: 1901, तिथि: 05 नवम्बर 2021

976. कुण्ठा- दस: शब्द संख्या: 2022, तिथि: 09 नवम्बर 2021

977. सुद्दढ़ जीवन- शब्द संख्या: 2587, तिथि: 14 नवम्बर 2021

978. सागवानक बागवानी- शब्द संख्या: 2369, तिथि: 05 दिसम्बर 2021

979. बिनु खुट्टाक गाए- शब्द संख्या: 2191, तिथि: 10 दिसम्बर 2021

980. जीवनक कर्म जीवनक मर्म- शब्द संख्या: 2893, तिथि: 16 दिसम्बर 2021

981. घरैया मूस- शब्द संख्या: 2791, तिथि: 22 दिसम्बर 2021

982. टुटि कऽ खसि पड़लैन- शब्द संख्या: 2182, तिथि: 29 दिसम्बर 2021

983. मृत्युसजियापर पड़ल विवेक बाबा- शब्द सं.: 2294, ति.: 03 जनवरी 2022

984. संचरण- शब्द संख्या: 2477, तिथि: 08 जनवरी 2022

985. जिनगीसँ प्रेम- शब्द संख्या: 2278, तिथि: 14 जनवरी 2022

986. परिवारे बगैद गेल- शब्द संख्या: 2299, तिथि: 21 फरवरी 2022

987. जिनगी पिछैड़ गेल- शब्द संख्या: 2859, तिथि: 02 मार्च 2022

988. श्रमहीन- शब्द संख्या: 3105, तिथि: 08 मार्च 2022

989. समुद्रलंघन- शब्द संख्या: 3274, तिथि: 21 मार्च 2022

990. परिवारक भार- शब्द संख्या: 2402, तिथि: 28 मार्च 2022

991. हीन-हीनाइत विवेक- शब्द संख्या: 2347, तिथि: 02 अप्रैल 2022

992. चेहराक निखार- शब्द संख्या: 2496, तिथि: 06 अप्रैल 2022

993. भरि मन काज- शब्द संख्या: 2281, तिथि: 12 अप्रैल 2022

994. विचारे मरि गेल- शब्द संख्या: 2302, तिथि: 21 अप्रैल 2022

995. मृत्युक भय मेटा गेल- शब्द संख्या: 2536, तिथि: 26 अप्रैल 2022

996. घरक बात- शब्द संख्या: 2686, तिथि: 01 मई (मजदूर दिवस) 2022

997. अप्पन दलान- शब्द संख्या: 2480, तिथि: 06 मई 2022

998. कंजूसपन- शब्द संख्या: 2589, तिथि: 11 मई 2022

999. आएल आशा चलि गेल- शब्द संख्या: 1478, तिथि: 15 मई 2022

1000. अकारण- शब्द संख्या: 1918, तिथि: 18 मई 2022

1001. अछोप- शब्द संख्या: 1590, तिथि: 21 मई 2022

1002. अप्पन बेइमानी- शब्द संख्या: 1560, तिथि: 24 मई 2022

1003. उनटन- शब्द संख्या: 1581, तिथि: 24 मई 2022

1004. अर्द्धांगिनी- शब्द संख्या: 1511, तिथि: 30 मई 2022

995. बहवाँइर- शब्द संख्या: 1538, तिथि: 04 जून 2022

1006. पाक मास्टर- शब्द संख्या: 1387, तिथि: 07 जून 2022

1007. साइंस टीचर- शब्द संख्या: 1301, तिथि: 10 जून 2022

1008. इज्जत लऽ लेलक- शब्द संख्या: 1367, तिथि: 13 जून 2022

1009. निसगर पान- शब्द संख्या: 1346, तिथि: 15 जून 2022

1010. विरोध- शब्द संख्या: 1452, तिथि: 19 जून 2022

1011. जीवन दान- शब्द संख्या: 1405, तिथि: 26 जून 2022

1012. बाग-बगिया- शब्द संख्या: 1272, तिथि: 30 जून 2022

1013. विश्वास पात्र- शब्द संख्या: 1374, तिथि: 02 जुलाई 2022

1014. विचारक टिटकारी- शब्द संख्या: 1335, तिथि: 05 जुलाई 2022

1015. लत- शब्द संख्या: 1375, तिथि: 08 जुलाई 2022

1016. जीवन खटाइमे पड़ि गेल- शब्द संख्या: 1220, तिथि: 11 जुलाई 2022

1017. कर्ज- शब्द संख्या: 1256, तिथि: 13 जुलाई 2022

1018. बहादुरी- शब्द संख्या: 1268, तिथि: 16 जुलाई 2022

1019. हमरो खगता छै- शब्द संख्या: 1178, तिथि: 20 जुलाई 2022

1020. सपना- शब्द संख्या: 1241, तिथि: 23 जुलाई 2022

1021. संगे-संग एलौं संगिया मरि गेल हम भुतिआइ छी- श.: 1303, 26.7.2022

1022. उवाणि- शब्द संख्या: 1264, तिथि: 29 जुलाई 2022

1023. विचारक प्रबलता- शब्द संख्या: 1268, तिथि: 01 अगस्त 2022

1024. अपन रचित रचना- शब्द संख्या: 1481, तिथि: 07 अगस्त 2022

1025. थाहल संगी- शब्द संख्या: 1331, तिथि: 10 अगस्त 2022

1026. आत्मबल- शब्द संख्या: 1267, तिथि: 13 अगस्त 2022

1027. विश्वासहीन- शब्द संख्या: 1405, तिथि: 16 अगस्त 2022

1028. बुलन्दी- शब्द संख्या: 1329, तिथि: 19 अगस्त 2022

1029. अप्पन साती- शब्द संख्या: 1287, तिथि: 22 अगस्त 2022

1030. खिच्चड़ि- शब्द संख्या: 1624, तिथि: 26 अगस्त 2022

1031. भंगतराह कवि- शब्द संख्या: 1364, तिथि: 01 सितम्बर 2022

1032. भंगतराह कवि- शब्द संख्या: 1357, तिथि: 01 सितम्बर 2022

1033. कनियेँ-मनियेँ पूँजी- शब्द संख्या: 1315, तिथि: शिक्षक दिवस 2022

1034. पुरुखढौह- शब्द संख्या: 1263, तिथि: 08 सितम्बर 2022

1035. सिमानक झगड़ा- शब्द संख्या: 1232, तिथि: 13 सितम्बर 2022

1036. जिनगी भार बनि गेल- शब्द संख्या: 1312, तिथि: 16 सितम्बर 2022

1037. परिवारक योग- शब्द संख्या: 1295, तिथि: 19 सितम्बर 2022

1038. मनुक्ख खौक- शब्द संख्या: 1183, तिथि: 25 सितम्बर 2022

1039. साहित्यकारक विवेक- शब्द संख्या: 1141, तिथि: 28 सितम्बर 2022

1040. भाषाक बेथा- शब्द संख्या: 1231, तिथि: 01 अक्टूबर 2022

1041. बुझबे ने केलिऐ- शब्द संख्या: 1227, तिथि: 05 अक्टूबर 2022

1042. जीवनक सम्बन्ध- शब्द संख्या: 1187, तिथि: 08 अक्टूबर 2022

1043. गैंचाह लोक- शब्द संख्या: 1113, तिथि: 11 अक्टूबर 2022

1044. जिनगीकेँ पटैक भगलौं- शब्द संख्या: 1258, तिथि: 14 अक्टूबर 2022

1045. अन्तिम आशा- शब्द संख्या: 1365, तिथि: 17 अक्टूबर 2022

1046. गजपट मारि- शब्द संख्या: 1327, तिथि: 20 अक्टूबर 2022

1047. कन्हजोड़- शब्द संख्या: 1346, तिथि: 23 अक्टूबर 2022

1048. अनहोनी- शब्द संख्या: 1308, तिथि: 26 अक्टूबर 2022

1049. होनी- शब्द संख्या: 1236, तिथि: 29 अक्टूबर 2022

1050. भवितव्य- शब्द संख्या: 1130, तिथि: 02 नवम्बर 2022

1051. ओसचट बीमारी: शब्द संख्या: 1260, तिथि: 05 नवम्बर 2022

1052. पुत्र परीक्षा: शब्द संख्या: 1286, तिथि: 09 नवम्बर 2022

1053. अप्पन मन बुझाएब- शब्द संख्या: 1294, तिथि: 12 नवम्बर 2022

1054. जड़ौर- शब्द संख्या: 1304, तिथि: 15 नवम्बर 2022

1055. अलोपित- शब्द संख्या: 1360, तिथि: 18 नवम्बर 2022

1046. कुमहरक बतिया- शब्द संख्या: 1240, तिथि: 21 नवम्बर 2022

1057. सिमानक आड़ि- शब्द संख्या: 1289, तिथि: 26 नवम्बर 2022

1058. नब बनक नब फल- शब्द संख्या: 1412, तिथि: 30 नवम्बर 2022

1059. सुमारक- शब्द संख्या: 1246, तिथि: 04 दिसम्बर 2022

1060. अन्तिम भेँट- शब्द संख्या: 1277, तिथि: 08 दिसम्बर 2022

1061. अनहरिया- शब्द संख्या: 1356, तिथि: 12 दिसम्बर 2022

1062. निरन्तर- शब्द संख्या: 3025, तिथि: 21 दिसम्बर 2022

1063. शॉर्टकट रास्ता- शब्द संख्या: 1620, तिथि: 26 दिसम्बर 2022

1064. अपेछा टुटि गेल- शब्द संख्या: 1739, तिथि: 30 दिसम्बर 2022

1065. सुनयना बेटी: 01- शब्द संख्या: 1728, तिथि: 05 जनवरी 2023

1066. सुनयना बेटी: 02- शब्द संख्या: 3540, तिथि: 14 जनवरी 2023

1067. सुनयना बेटी: 03- शब्द संख्या: 3722, तिथि: 25 जनवरी 2023

1068. सुनयना बेटी: 04- शब्द संख्या: 1987, तिथि: 30 जनवरी 2023

1069. सुनयना बेटी: 05- शब्द संख्या: 3802, तिथि: 06 फरवरी 2023

1070. सुनयना बेटी: 06- शब्द संख्या: 1821, तिथि: 10 फरवरी 2023

1071. सुनयना बेटी: 07- शब्द संख्या: 925, तिथि: 12 फरवरी 2023

1072. सुनयना बेटी: 08- शब्द संख्या: 2999, तिथि: 18 फरवरी 2023

1073. सुनयना बेटी: 19- शब्द संख्या: 1926, तिथि: 22 फरवरी 2023

1074. सुनयना बेटी: 10- शब्द संख्या: 1953, तिथि: 26 फरवरी 2023

1075. आब नइ जीब- शब्द संख्या: 2097, तिथि: 2 मार्च 2023

1076. सेहन्ता सेहन्ते रहि गेल- शब्द संख्या: 2013, तिथि: 06 मार्च 2023

1077. धुरफन्ना लोक- शब्द संख्या: 1891, तिथि: 10 मार्च 2023

1078. घरदेखी- शब्द संख्या: 1846, तिथि: 14 मार्च 2023

1079. बासभूमि- शब्द संख्या: 2639, तिथि: 31 मार्च 2023

1080. इज्जत पर पड़ि गेल- शब्द संख्या: 2698, तिथि: 07 अप्रैल 2023

1081. अहीं जीतलौं- शब्द संख्या: 2884, तिथि: 13 अप्रैल 2023

1082. गामसँ गाए उपैट गेल- शब्द संख्या: 2454, तिथि: 20 अप्रैल 2023

1083. भारक बड़बड़िया- शब्द संख्या: 1727, तिथि: 24 अप्रैल 2023

1084. रूपैँ बदैल गेल- शब्द संख्या: 1736, तिथि: 28 अप्रैल 2023

1085. वंशक धर्म- शब्द संख्या: 1881, तिथि: 02 मई 2023

1086. उपराग- शब्द संख्या: 1358, तिथि: 05 मई 2023

1087. केकरा भगाउ आ केकरा बसाउ- शब्द संख्या: 1390, तिथि: 08 मई 2023

1088. खीरा लत्तीमे रोजगार- शब्द संख्या: 1377, तिथि: 11 मई 2023

1089. टकुआटान- शब्द संख्या: 2302, तिथि: 19 मई 2023

1090. पोस्टमार्टम- शब्द संख्या: 1852, तिथि: 23 मई 2023

1091. ऐ सालक नाह बुड़ि गेल- शब्द संख्या: 1761, तिथि: 27 मई 2023

1092. सामंजस्य- शब्द संख्या: 1868, तिथि: 01 जून 2023

1093. महींसवारक गाम- शब्द संख्या: 1337, तिथि: 04 जून 2023

1094. दसअना छहअना- शब्द संख्या: 1243, तिथि: 07 जून 2023

1095. वाह रे हम- शब्द संख्या: 1291, तिथि: 10 जून 2023

1096. एक जूम तमाकुल- शब्द संख्या: 1290, तिथि: 13 जून 2023

1097. चपरासी गाम- शब्द संख्या: 1201, तिथि: 17 जून 2023

1098. बनरफाँस- शब्द संख्या: 1279, तिथि: 19 जून 2023

1099. हँस्सा ठक- शब्द संख्या: 1889, तिथि: 26 जून 2023

1100. विश्वासू मन- शब्द संख्या: 1724, तिथि: 30 जून 2023

1101. चोरनी पिल्ली- शब्द संख्या: 1883, तिथि: 04 जुलाई 2023

1102. गामक जमीने पथरा गेल- शब्द संख्या: 1837, तिथि: 08 जुलाई 2023

1103. एकलव्यपन- शब्द संख्या: 2087, तिथि: 14 जुलाई 2023

1104. केलहा साफल- शब्द संख्या: 2102, तिथि: 19 जुलाई 2023

1105. त्रिशुलपर लटकल गाम- शब्द संख्या: 2007, तिथि: 23 जुलाई 2023

1106. त्रिशंकु गाम- शब्द संख्या: 2151, तिथि: 28 जुलाई 2023

1107. चारिम कनियाँ- शब्द संख्या: 1995, तिथि: 01 अगस्त 2023

1108. वंश नाश- शब्द संख्या: 1988, तिथि: 06 अगस्त 2023

1109. लोक लाज- शब्द संख्या: 1781, तिथि: 10 अगस्त 2023

1110. धानक कमठौन- शब्द संख्या: 1580, तिथि: 30 अगस्त 2023

1111. एक चुटकी खुशी- शब्द संख्या: 2053, तिथि: 02 सितम्बर 2023

1112. अनका सिर- शब्द संख्या: 1801, तिथि: शिक्षक दिसव 2023

1113. समयक फेड़- शब्द संख्या: 1531, तिथि: 08 सितम्बर 2023

1114. कोढ़ि- शब्द संख्या: 1511, तिथि: 11 सितम्बर 2023

1115. मुहाँ-ठुठ्ठी- शब्द संख्या: 1167, तिथि: 13 सितम्बर 2023

1116. औनाकऽ मरए लगलौं- शब्द संख्या: 1060, तिथि: 13 सितम्बर 2023

1117. जेहेन आँखि तेहेन पाँखि- शब्द संख्या: 1077, तिथि: 17 सितम्बर 2023

1118. चौरचनक केरा- शब्द संख्या: 1185, तिथि: 19 सितम्बर 2023

1119. सुख-दुख- शब्द संख्या: 1708, तिथि: 04 अक्टूबर 2023

1120. दुख-सुख- शब्द संख्या: 1629, तिथि: 07 अक्टूबर 2023

1121. जीवन की आ जीवनक उद्देश्य की- श. सं.: 1571, ति.: 10 अक्टूबर 2023

1122. अंधविश्वास- शब्द संख्या: 1509, तिथि: 13 अक्टूबर 2023

1123. बखेरिया लोक- शब्द संख्या: 1528, तिथि: 16 अक्टूबर 2023

1124. नव जीवन- शब्द संख्या: 1620, तिथि: 19 अक्टूबर 2023

1125. प्रीति- शब्द संख्या: 1610, तिथि: 19 अक्टूबर 2023

1126. पुरुषार्थ- शब्द संख्या: 1667, तिथि: 25 अक्टूबर 2023

1127. मन टँगि गेल- शब्द संख्या: 1702, तिथि: 28 अक्टूबर 2023

1128. नियति आ पुरुषार्थ- शब्द संख्या: 1714, तिथि: 31 अक्टूबर 2023

1129. जे ननू से गर्भहि ननू- शब्द संख्या: 1639, तिथि: 03 नवम्बर 2023

1130. पुरुखक डीह- शब्द संख्या: 1666, तिथि: 06 नवम्बर 2023

1131. पाशापर- शब्द संख्या: 1707, तिथि: 09 नवम्बर 2023

1132. संचरण- शब्द संख्या: 1743, तिथि: 14 नवम्बर 2023

1133. कंजूस- शब्द संख्या: 1636, तिथि: 17 नवम्बर 2023

1134. बाबाक पौती- शब्द संख्या: 1640, तिथि: 20 नवम्बर 2023

1135. भँसिया गेलौं- शब्द संख्या: 1614, तिथि: 23 नवम्बर 2023

1136. उबारि देलौं- शब्द संख्या: 1645, तिथि: 28 नवम्बर 2023

1137. श्रद्धा- शब्द संख्या: 1619, तिथि: 01 दिसम्बर 2023

1138. केकरोपर आश्रित- शब्द संख्या: 1641, तिथि: 04 दिसम्बर 2023

1139. समैया लुच्चा- शब्द संख्या: 1735, तिथि: 07 दिसम्बर 2023

1140. उकडू समयमे सुकडू काज: शब्द संख्या: 1737, तिथि: 10 दिसम्बर 2023
1141. मुक्ति: जारी...

Notes